मंगलवार, 6 जनवरी 2026

मौसम

तापमान	11 – 22
आर्द्रता	72%
सूर्योदय: 06:18	सूर्यास्त: 17:06

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

उद्योग जगत की पहल, अगले दशक में 10 करोड़ नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष तृतीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : कठिन समय की चुनौती केवल धैर्य और हिम्मत से जीती जाती है।

जनता की अदालत में गंगासागर राष्ट्रीय मेला बन चुका है : ममता बनर्जी

सागर द्वीप को जोड़ने वाले 'गंगासागर सेतु' का किया शिलान्यास

गंगासागर मेले के लिए नहीं मिली केंद्र से कोई धनराशि

गंगासागर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गंगासागर मेले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भले ही इसे औपचारिक रूप से राष्ट्रीय मेला घोषित नहीं किया गया हो, लेकिन जनता की अदालत में यह पहले ही राष्ट्रीय मेले का दर्जा पा चुका है। उन्होंने कहा कि बार-बार अनुरोध के बावजूद गंगासागर को राष्ट्रीय मेला घोषित नहीं किया गया।

गंगासागर ब्रिज के शिलान्यास के बाद आयोजित कार्यक्रम में कापिल मुनि मंदिर के पुजारी संजय दास ने मुख्यमंत्री को सेतु शिलान्यास के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से कोई सहायता नहीं मिलने के बावजूद राज्य सरकार अपने बल पर गंगासागर ब्रिज का निर्माण कर रही है। यह परियोजना एल एंड टी द्वारा बनाई जाएगी और अगले दो-तीन वर्षों में इसके पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ब्रिज बनने से लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और पूरे क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदल जाएगी।

करीब 1670 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह चार लेन का पुल काकद्वीप को सागर द्वीप से जोड़ेगा। यह क्षेत्र हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित है। सेतु के बन जाने से सागर द्वीप तक हर मौसम में सड़क मार्ग से पहुंच संभव हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार और निर्माण कंपनी लार्सन एंड टूब्रो (एलएनटी) लिमिटेड के बीच परियोजना से जुड़े दस्तावेजों का औपचारिक आदान प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वयं मौजूद रहीं। पुल के निर्माण का ठेका लार्सन एंड टूब्रो को दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार इस सेतु का निर्माण कार्य दो वर्षों के भीतर पूरा होने की संभावना है। गंगासागर सेतु के निर्माण से तीर्थयात्रियों की यात्रा सुगम होगी और क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने दक्षिण 24 परगना जिले के लिए कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और गंगासागर मेले की कथित उपेक्षा को लेकर राज्य और केंद्र के भाजपा नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कुंभ मेले पर करोड़ों रुपये खर्च कर सकती है, लेकिन गंगासागर मेले के लिए एक पैसा भी नहीं देती। इसके बावजूद राज्य सरकार ने मेले में आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री के लिए पांच लाख रुपये का बीमा किया है। उन्होंने बताया कि 9 से 17 जनवरी तक कई मंत्री और अधिकारी मेले को सुव्यवस्थित और सुंदर बनाने में जुटे रहे।

बिना नाम लिए विपक्षी नेता पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कोई गद्दार आकर भ्रामक बातें कह गया, जिसे यह भी नहीं पता कि राज्य सरकार में गंगासागर ब्रिज बनाने की क्षमता है। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लिए काम करती है।

बांग्लादेश ने आईपीएल प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया

ढाका : बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से 'रिलीज' किये जाने और राजनयिक संबंधों में भारत से आयी गिरावट के बाद इस टी20 लीग के आगामी सत्र के अपने देश में प्रसारण पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रहमान को 2026 की टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देते समय कोई ''तार्किक कारण'' नहीं बताया। आईपीएल के आगामी सत्र का आगाज 26 मार्च से होगा। आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का यह कदम बांग्लादेश द्वारा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से इनकार करने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में अपने सभी लीग मैच स्थानांतरित करने के अनुरोध के एक दिन बाद आया है।

ट्राई ने फर्जी कॉल, संदेश पर अंकुश न लगा पाने के चलते दूरसंचार कंपनियों पर जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली : दूरसंचार नियामक ट्राई ने फर्जी कॉल और संदेशों को रोकने में विफल रहने के कारण दूरसंचार परिचालकों पर 150 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। वर्ष 2020 से शुरू होने वाले तीन वर्षों के लिए लगाए गए इस जुर्माने को दूरसंचार परिचालकों ने चुनौती दी है। सूत्र ने बताया कि ग्राहकों की शिकायतों को गलत तरीके से बंद करने और फर्जी कॉल करने वाले दूरसंचार कनेक्शनों पर नियमों के अनुसार कार्रवाई नहीं करने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर 150 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय जुर्माना लगाया गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) उन दूरसंचार परिचालकों पर जुर्माना लगाता है, जो वित्तीय दंड से जुड़े नियमों का पालन करने में विफल रहते हैं। ये नियम एक दूरसंचार परिचालक के लिए प्रत्येक लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र में प्रति माह 50 लाख रुपये तक के वित्तीय दंड का प्रावधान करते हैं।

बांग्लादेश में अब हिंदू पत्रकार की बीच बाजार गोली मारकर हत्या

ढाका : बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया है कि कारोबारी के सिर में तीन गोली मारने के बाद उनका गला रेत दिया गया। बांग्ला भाषा के दैनिक समाचार पत्र 'प्रथम आलो' के अनुसार मृतक की पहचान खुलना मंडल के जेस्सोर जिले के केशबपुर उपजिला स्थित अरुआ गांव निवासी 38 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है। दैनिक समाचार पत्र के अनुसार, बैरागी की मोनिरामपुर के कोपलिया बाजार में बर्फ बनाने की फैक्टरी थी। इसके अलावा वह नरैल से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र 'दैनिक बीडी खबर' के कार्यवाहक संपादक भी थे। 'बीडीन्यूज24' समाचार पोर्टल के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अबुल बासर ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम लगभग 5:45 बजे कपालिया बाजार में हुई। स्थानीय लोगों और पुलिस का हवाला देते हुए 'प्रथम आलो' ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने उन्हें बर्फ फैक्टरी से बाहर बुलाया और कपालिया बाजार के पश्चिमी हिस्से में स्थित कपालिया क्लिनिक और डायग्नोस्टिक सेंटर के सामने वाली गली में ले गए। इसमें कहा गया है कि इसके बाद बदमाशों ने उनके सिर में करीब से गोली मारी और फरार हो गए। अखबार के अनुसार, उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बांग्लादेश में हिंदू विधवा से बलात्कार, पेड़ से बांधकर दी गई यातना

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। ताजा मामला झिनैदह जिले से सामने आया है, जहां एक 40 वर्षीय हिंदू विधवा महिला के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गईं। महिला के साथ न सिर्फ बलात्कार किया गया, बल्कि उसे पेड़ से बांधकर शारीरिक यातना दी गई और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के इरादे से उसके बाल तक काट दिए गए। यह मामला सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि इंसानियत को झकझोर देने वाली बर्बरता की मिसाल है। यह घटना उस भयावह सच्चाई को उजागर करती है, जिससे बांग्लादेश में कई अल्पसंख्यक महिलाएं जूझ रही हैं। पीड़िता एक विधवा है, जो बीते ढाई साल से लगातार उत्पीड़न सह रही थी। जब उसने झुकने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उसे सजा देने के इरादे से इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। यह घटना बांग्लादेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। साथ ही अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है।

अमेरिकी निरंकुशता वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेज़ुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेज़ुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है।

निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेज़ुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेज़ुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेज़ुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

नेपाल के बीरगंज में सांप्रदायिक तनाव के बीच निषेधाज्ञा लागू

काठमांडू : नेपाल के अधिकारियों ने सोमवार को भारत की सीमा से लगे बीरगंज के कुछ हिस्सों में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव और झड़प होने की आशंकाओं के मद्देनजर निषेधाज्ञा लागू कर दी।

यह कदम परसा जिले के बीरगंज शहर में सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो को लेकर हुए प्रदर्शनों के हिंसक होने के एक दिन बाद उठाया गया है। परसा जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) ने बीरगंज महानगर के संवेदनशील क्षेत्रों के लिए निषेधाज्ञा जारी की। यह प्रतिबंध स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे से लागू हो गए हैं और अगले आदेश तक लागू रहेंगे।

परसा जिला कार्यालय के मुख्य अधिकारी भोला दहाल द्वारा हस्ताक्षरित एक नोटिस के अनुसार, 'शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए निर्धारित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की सभा करने, जुलूस निकालने और प्रदर्शन करने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है।' नोटिस में कहा गया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र पूर्व में बस पार्क क्षेत्र से पश्चिम में सिरसिया ब्रिज तक और उत्तर में पावर हाउस चौक से दक्षिण में शंकराचार्य गेट तक है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 6 जनवरी, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, माघ कृष्णपक्ष तृतीया, 08:03 तक, नक्षत्र : आश्लेषा, 12:19 तक, योग : प्रीति, 20:26 तक, सूर्योदय: 06:18, सूर्यास्त: 17:06, चन्द्रोदय : 20:15, चन्द्रास्त: 08:39, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 14:22 से 15:42

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए करियर के लिहाज से आज का दिन समझदारी से काम लेने का है। कार्यक्षेत्र में जो लोग आपका विरोध करते हैं जरूरत पड़ने पर वही आपके लिए खड़े नजर आएंगे।

वृष : वृष राशि वालों के लिए आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। कई जिम्मेदारियों के एक साथ सामने आने से मानसिक दबाव महसूस हो सकता है।

मिथुन : आज आपको अपने निजी जीवन पर ध्यान देने का समय मिलेगा। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए काम करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम रहेगा।

कर्क : आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए काफी व्यस्त रहने वाला है। किसी यात्रा की योजना बनानी पड़ सकती है। भागदौड़ के बावजूद दिन आपके लिए उपयोगी साबित होने वाला है।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन काम और निजी इच्छाओं के बीच संतुलन बनाने का है। लगातार मेहनत के कारण मन कभी ऊब सकता है। ऐसे में मनोरंजन की ओर झुकाव बढ़ेगा।

कन्या : कन्या राशि वालों को प्रेम, रोमांस और भाग्य पर थोड़ा कम ध्यान देना होगा। इसका असर आपके करियर और पारिवारिक जीवन पर भी पड़ता दिख रहा है।

तुला : तुला राशि वालों को आज अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ कर्मचारियों के प्रति जिम्मेदारियों पर भी ध्यान देना होगा। लापरवाही करने पर कोई समस्या खड़ी हो सकती है।

वृश्चिक : आपको जीवन में इस समय उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मन में कई तरह की उलझन पैदा हो सकती हैं। भावनाओं पर नियंत्रण रखें और फैसले सोच-समझकर लें।

धनु : धनु राशि वालों को अपने पारिवारिक और दांपत्य जीवन को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। करियर पर इसका असर भी दिख सकता है।

मकर : मकर राशि वालों के लिए आज का दिन करियर और पारिवारिक जीवन दोनों पर ध्यान देने का है। नौकरीपेशा लोगों को सराहना या पुरस्कार मिल सकता है।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों को आज अपने मन और वाणी पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। किसी साथी या पड़ोसी की बात आपको अचानक उत्तेजित कर सकती है।

मीन : मीन राशि वालों को बृहस्पति का सहयोग मिलेगा। इससे कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा और पहचान बढ़ सकती है। मेहनत और लगन के साथ काम करने से उन्नति के बड़े अवसर मिलेंगे।

बड़े पैमाने पर अवसंरचना का विकास : विकसित भारत की डगर पर अग्रसर भारत

सुमिता डावरा

जीडीपी को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसरों का सृजन करने और अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव डालने में अवसंरचना पर व्यय के विशिष्ट महत्व को पहचानते हुए केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में बुनियादी ढाँचे से संबंधित पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। यह व्यय वर्ष 2014-15 में लगभग 2 ट्रिलियन रुपये से पाँच गुना से भी अधिक बढ़कर वर्ष 2024-25 में 11.1 ट्रिलियन रुपये हो गया। हाल के रुझान इंगित करते हैं कि बुनियादी ढाँचे से संबंधित पूंजीगत व्यय में 38 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है, जिसमें भौतिक और डिजिटल दोनों प्रकार के ढाँचागत नेटवर्क के विकास पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है।

बड़े पैमाने पर किए गए इन आवंटनों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि बुनियादी ढाँचे से संबंधित परियोजनाएँ समयबद्ध रूप से और कुशल गति से आगे बढ़ें तथा उनमें समय और लागत की अधिकता न हो। निर्माण की लंबी अवधि के कारण ऐसी परियोजनाओं के लिए न केवल पर्याप्त और निरंतर वित्तपोषण की आवश्यकता होती है, बल्कि भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृतियों तथा सामाजिक-आर्थिक पहलुओं से संबंधित अनुमतियों के समय पर मिलने पर भी निर्भर रहना पड़ता है । इन स्वीकृतियों में अनेक नियामक प्राधिकरणों, स्थानीय निकायों और जिला-स्तरीय प्रशासन की भागीदारी होती है, जिससे परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए तालमेल और समय पर निर्णय लेना महत्वपूर्ण हो जाता है।

ढाँचागत परियोजनाओं के लिए प्रभावी समन्वय और समय पर स्वीकृतियाँ मिलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने वर्ष 2015 में प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) पोर्टल की शुरुआत की। प्रगति एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो बड़े पैमाने की ढाँचागत परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी करता है तथा कार्यान्वयन एजेंसियों, मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री हर महीने उच्च-स्तरीय समन्वय बैठकों की अध्यक्षता करते हैं, जिनमें कार्यान्वयन में विलंब का सामना कर रही परियोजनाओं का चयन किया जाता है, मंत्रालयों, राज्यों और अन्य संबंधित प्राधिकरणों के साथ सीधे संवाद कर बाधाओं की पहचान की जाती है तथा उनके समाधान के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं।

इस प्रकार, प्रगति पोर्टल एक ऐसे तंत्र के रूप में कार्य करता है, जो समय और लागत में वृद्धि का सामना कर रही लंबित परियोजनाओं को गति प्रदान करता है-उदाहरण के तौर पर, नगर निगम से भूमि स्वीकृति न मिलने के कारण किसी मेट्रो रेल परियोजना का वर्षों तक विलंबित रहना, अथवा किसी बड़ी गैस पाइपलाइन परियोजना का कई विविध राज्यों में भूमि संबंधी अड़चनों से जूझना, अथवा लंबे समय से पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रही परियोजनाएँ आदि। 31 दिसंबर 2025 को प्रधानमंत्री ने प्रगति की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस एकल बैठक में 40,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली पाँच महत्वपूर्ण ढाँचागत परियोजनाओं की समीक्षा की गई। कुल मिलाकर, प्रगति तंत्र के माध्यम से अब तक कुल 85 ट्रिलियन रुपये मूल्य की अटकी हुई परियोजनाओं को शीघ्रता से आगे बढ़ाने में सहायता मिली है।

प्रगति के अनुभव से प्राप्त जानकारी-विशेष रूप से ऐसी बाधाएँ जो बार-बार उत्पन्न होती हैं और परियोजनाओं की पूर्णता में देरी और अक्सर लागत में वृद्धि का कारण बनती हैं-को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम गति शक्ति (पीएमजीएस) राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) की शुरुआत की। पीएमजीएस एक जीआईएस-आधारित ढाँचा प्रदान करती है, जिसके माध्यम से अवसंरचना, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र के मंत्रालयों तथा देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त डेटा लेयर्स को एक साथ लाकर समेकित अवसंरचना योजना बनाई जाती है। यह डिजिटलीकृत, डेटा-आधारित इंटरफेस योजनाकारों को ढाँचागत परिसंपत्तियों, संसाधनों, केबलों और ग्रिडों सहित अन्य परिसंपत्तियों को समग्र दृष्टिकोण से देखने में सक्षम बनाता है, जिससे देश में बुनियादी ढाँचे से संबंधित कनेक्टिविटी की वैज्ञानिक एवं समन्वित योजना संभव हो पाती है।

डेटा की सहज दृश्यता उपलब्ध कराकर योजना निर्माण में समन्वित दृष्टिकोण को सक्षम बनाते हुए, पीएमजीएस योजना चरण में ही आवश्यक स्वीकृतियों की शीघ्र पहचान की सुविधा प्रदान करती है। इससे बुनियादी ढाँचे से संबंधित परियोजनाओं की सहयोगपूर्ण योजना संभव होती है और उन महीनों की बचत होती है जो अन्यथा अनुमोदन प्राप्त करने में व्यर्थ हो जाते। यह परिवर्तनकारी योजना दृष्टिकोण न केवल गति और दक्षता को बढ़ाता है, बल्कि मौजूदा अवसंरचना परिसंपत्तियों की अनावश्यक पुनरावृत्ति को भी रोकता है तथा परिवहन के विभिन्न माध्यमों के बीच परिसंपत्तियों की परस्पर पूरकता सुनिश्चित करता है-इस प्रकार अवसंरचना योजना में अनेक परिवहन माध्यमों के संयोजन को अंतर्निहित करता है। इसके परिणामस्वरूप परियोजनाओं को इस प्रकार डिज़ाइन किया जाता है कि वे भारत के विकास क्लस्टरों को अधिक प्रभावी ढंग से बाज़ारों से जोड़ सकें, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आती है। फलस्वरूप, अवसंरचना योजना न केवल अधिक कुशल बनती है, बल्कि लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन को सुदृढ़ करने वाले परिणाम भी प्रदान करती है-जो जीवन की सुगमता और व्यापार करने की सुगमता दोनों को समर्थन देती है।

उदाहरण के तौर पर, जब पीएमजीएस पोर्टल पर जगदीशपुर-हल्दिया एवं बोकारो-धामरा पाइपलाइन परियोजना की योजना बनाई जा रही थी, तो योजना चरण में ही दो प्रमुख मुद्दों की पहचान की गई। इनमें स्पर लाइन के एक छोटे हिस्से के लिए वन विभाग से आवश्यक स्वीकृति तथा 83 किलोमीटर लंबाई के लिए मुआवज़े के भुगतान का लंबित रहना शामिल था। इससे योजना प्राधिकरणों को परियोजना को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने से पहले ही इन मुद्दों की आसानी से पहचान कर उनका समाधान करने में सहायता मिली।

इसी प्रकार, जीआईएस पोर्टल पर गोवा-कर्नाटक सीमा से कुंडापुर खंड तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चार-लेन निर्माण की योजना बनाते समय, सड़क को जिन भू-भागों से होकर गुजरना था, वहाँ भूमि स्वामित्व से संबंधित डेटा गुणों के साथ बस्तियों की स्पष्ट दृश्यता के कारण सड़क अतिक्रमण को एक संभावित चुनौती के रूप में पहचाना गया। वहीं, पीएमजीएस पोर्टल पर मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) - चरण 2 की योजना के दौरान, रेल मंत्रालय छोटे-छोटे भूखंडों से संबंधित लंबित भूमि अधिग्रहण को पहले ही देख सका, जिनमें आगे चलकर परियोजना के प्रारंभ के बाद विलंब की संभावना थी।

इस प्रकार, योजना से जुड़ी एजेंसियाँ प्रगति के सिद्धांतों के अनुरूप पीएमजीएस तंत्र का उपयोग परियोजना की योजना और क्रियान्वयन में अधिक दक्षता और गति लाने के लिए कर रही हैं। भारतीय रेलवे ने पीएमजीएस पोर्टल पर अपने महत्वाकांक्षी ऊर्जा गलियारे की योजना बनाई है, जिसमें कोयला उत्पादन क्षेत्रों को थर्मल पावर प्लांटों के खपत बिंदुओं से जोड़ने वाला समर्पित रेल नेटवर्क शामिल है, ताकि देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। जीआईएस-पोर्टल के माध्यम से इन मार्गों पर जाम की स्थिति की पहचान की गई और ऊर्जा सामग्री के निर्बाध परिवहन के लिए मार्ग को मजबूत करने की योजना बनाई गई।

गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ने लद्दाख और हरियाणा के बीच हरित ऊर्जा गलियारे की योजना बनाने में भी मदद की। इससे लद्दाख के उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्र में उत्पन्न सौर ऊर्जा को उत्तरी मैदानों तक पहुँचाने की सुविधा मिली, जिसमें भौगोलिक चुनौतियों को पार करते हुए, ट्रांसमिशन लाइनों का वन और वन्यजीव पर्यावासों के साथ न्यूनतम संपर्क सुनिश्चित किया गया-इस प्रकार उन मुद्दों को टाला जा सका, जो परियोजनाओं में संभावित विलंब का कारण बन सकते थे।

चाहे यह हजारों करोड़ रुपये के निवेश वाली बड़ी एक्सप्रेसवे परियोजनाएँ हों, वाराणसी और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में शहरी लॉजिस्टिक्स पहल हों, या प्रमुख बंदरगाहों और उनके अंतर्गत क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी सुधारना हो-गति शक्ति के सिद्धांत परियोजना के योजना चरण में 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रहे हैं। विविध डेटा-लेयरों में बढ़ी हुई दृश्यता योजना की दक्षता को सुधार रही है, पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में व्यवधान को न्यूनतम कर रही है, ऐसी भूमि के अधिग्रहण को टाल रही है, जिस पर आगे चलकर मुकदमेबाज़ी हो सकती है और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अवसंरचना की योजना बनाने की सुविधा प्रदान कर रही है।

ढाँचागत परियोजनाओं की समन्वित समीक्षा, निगरानी और उनमें तेजी लाने में प्रगति तंत्र की सफलता के आधार पर और पीएम गति शक्ति द्वारा अवसंरचना कार्यान्वयन में अधिक समेकित और योजनाबद्ध दृष्टिकोण प्रदर्शित किए जाने के साथ ही भारत अब अपनी आर्थिक कूटनीति के तहत वैश्विक स्तर पर अपनी सीख को साझा करने के लिए अच्छी स्थिति में है। जो अधिक कुशल और समन्वित ढाँचागत योजना का मॉडल प्रस्तुत करता है, जो डेटा-आधारित, समन्वित है और जिसकी बदौलत उसका समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है।

लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय श्रम सचिव और विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स) पद पर रही हैं

कला और सौंदर्य के क्रियात्मक आयोजन का प्रयोजन

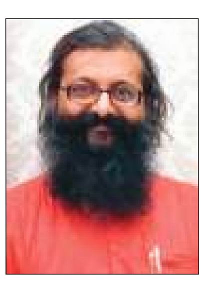

डॉ.राम आह्लाद चौधरी
प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय

कला और सौंदर्य को मानव इतिहास, संस्कृति और समाज की वस्तुनिष्ठ आधारभूमि के रूप में समझा जाता है। यद्यपि इनकी प्रकृति और भूमिका को लेकर विविध वैचारिक मत प्रस्तुत किए गए हैं, तथापि उन सभी विचारों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष उभरकर सामने आता है कि कला मूलतः एक सक्रिय मानवीय क्रिया है, जिसका संपादन सामाजिक व्यवहारों के माध्यम से होता है, जबकि सौंदर्य कलाकार और दर्शक के बीच संप्रेषण की प्रक्रिया है। इस दृष्टि से कला भावनाओं, इच्छाओं और अवधारणाओं को अभिव्यक्त एवं संप्रेषित करने का माध्यम बनती है तथा यह संप्रेषण अनिवार्यतः सौंदर्य-बोध के सहारे ही संभव होता है।

विस्तृत स्तर पर यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि सौंदर्य प्रभाव का मापदंड है। भावनाओं को समझने और उनके प्रभाव को आंकने की प्रक्रिया में सौंदर्य केंद्रीय भूमिका निभाता है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि कला का सृजन कौन करता है और सौंदर्य का आस्वादन कौन करता है। इन दोनों प्रश्नों पर गहराई से विचार करने पर स्पष्ट होता है कि कला और सौंदर्य सृजन के वे दो बिंदु हैं, जिनके बीच इतिहास, संस्कृति और समाज का समग्र अध्ययन संभव है। इस चिंतन का सार मानव जीवन को आनंदित करना, समाज को उन्नत दिशा में ले जाना और मानवीय चेतना को विकसित करना है।

सौंदर्य को प्रायः मानव समाज की प्रसन्नता का अक्षय स्रोत माना गया है। दार्शनिकों और विचारकों ने सौंदर्य को केवल परिभाषाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक गतिविधियों को प्रेरित करने वाले तत्व के रूप में उसका विवेचन किया है। इसी कारण समाज की गतिशीलता को सौंदर्य से बल प्राप्त होता है। डेविड ह्यूम ने सौंदर्य को सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं से उत्पन्न भावनाओं और उनके प्रभाव को मापने की प्रक्रिया के रूप में देखा, जबकि प्लेटो ने सौंदर्य को आदर्श के रूप में स्थापित किया। प्लेटो की इस अवधारणा को कलात्मक धरातल पर विकसित करते हुए अरस्तू ने सौंदर्य को समरूपता, व्यवस्था, संतुलन और अनुपात के सिद्धांतों से जोड़ा।

वास्तव में दार्शनिकों ने अपने-अपने समय की सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को कला और सौंदर्य के माध्यम से संबोधित किया है। सामाजिक परिवर्तन और सांस्कृतिक आंदोलनों को समझने के लिए सौंदर्य को गतिशील रूप में तथा कला को संवेदनात्मक माध्यम के रूप में देखा गया। इन दोनों के अंतर्संबंध को समझने से यह स्पष्ट होता है कि मानव जीवन के अनुभवों की अभिव्यक्ति में कला और सौंदर्य की भूमिका निर्णायक है। यही वह बिंदु है, जहां कला और सौंदर्य का समाज से सीधा संबंध स्थापित होता है।

जीवन की जटिलताओं के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जटिल से जटिल परिस्थितियों से उबरने के लिए कला और सौंदर्य का सहारा लेना आवश्यक है। यद्यपि अनुभव व्यक्तिगत होते हैं, फिर भी वे सामूहिक मानव जीवन और उसके संघर्षों को समृद्ध करते हैं। इससे यह सिद्ध होता है कि मानव समाज अनुभवों के माध्यम से सीखता है और प्रत्येक संघर्ष किसी न किसी सामाजिक केंद्र को प्रभावित करता है। इस प्रभाव को कला और सौंदर्य के माध्यम से पहचाना और परखा जा सकता है।

कला और सौंदर्य सामाजिक-सांस्कृतिक उत्थान और पतन को समझने के प्रभावी उपकरण हैं। कलाकार अपने अनुभवों को समाज के साथ साझा करने के उद्देश्य से कला की सर्जना करता है। इस प्रकार कला मूलतः सामाजिक उपज है, यद्यपि व्यक्तिगत अनुभव इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हैं। समय के साथ यही भूमिका प्रासंगिक बनती जाती है और अंततः शाश्वत मूल्य ग्रहण कर लेती है। यही कारण है कि कला और सौंदर्य की निंदा करने वाली प्रवृत्तियां अंततः सामाजिक-सांस्कृतिक अवमूल्यन का माध्यम बन जाती हैं। ऐसी प्रवृत्तियां न केवल समाज को पीछे धकेलती हैं, बल्कि समरसता के ताने-बाने को भी क्षत-विक्षत करती हैं, जिससे अवसरवाद और सांस्कृतिक विकृति को बढ़ावा मिलता है।

अनुभवों के अध्येताओं का मानना है कि कला किसी न किसी रूप में भावनाओं को उद्वेलित करती है और सामाजिक परिवर्तन के आग्रह को सशक्त बनाती है। कला की अपनी दृष्टि होती है; वह समाज को केवल आंतरिक रूप से प्रभावित नहीं करती, बल्कि श्रम और मानवीय गरिमा की वकालत भी करती है। कला का सौंदर्य दैनिक जीवन के साधारण कार्यों में भी परिलक्षित होता है-चाहे वह सड़क पर फल-सब्जी का क्रय-विक्रय हो या जनसंचार माध्यमों में प्रस्तुत दृश्य। इस सौंदर्य-बोध के माध्यम से समाज की सामूहिक भावनाओं और आकांक्षाओं को मापा जा सकता है।

कला और सौंदर्य का विस्तार श्रम से गहराई से जुड़ा हुआ है। कृषि, उद्योग और सेवा-मानव समाज की ये तीन आधारभूत गतिविधियां कला और सौंदर्य द्वारा संरक्षित और संवर्धित होती हैं। किंतु विडंबना यह है कि अनेक सामाजिक व्यवस्थाओं में कला और सौंदर्य का समुचित मूल्यांकन नहीं हो पाता। कभी इन्हें मात्र मनोरंजन या खेल समझ लिया जाता है, तो कभी कलाकारों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। ऐसी स्थिति में जब सामाजिक मूल्यांकन की प्रक्रियाएं कमजोर पड़ती हैं, तब कला और सौंदर्य का अवमूल्यन समाज को संकटग्रस्त अवस्था में पहुंचा देता है।

इस संकट से उबरने के लिए आवश्यक है कि कला और सौंदर्य को समाज में क्रियात्मक रूप में स्थापित किया जाए। केवल सैद्धांतिक विमर्श या घोषणाओं से सामाजिक कल्याण संभव नहीं है। मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति श्रम से होती है और श्रम की गरिमा को बनाए रखने में कला और सौंदर्य की भूमिका केंद्रीय है। कला न केवल समाज को समझाने का माध्यम है, बल्कि उसे बदलने का भी प्रयास करती है। इस परिवर्तनकारी भूमिका में सौंदर्य की प्रभावशीलता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि कला और सौंदर्य की परिधि व्यापक और अनियंत्रित है। जो कलाकार कला को चुनौती देने का साहस रखते हैं, उनकी सर्जना कालजयी बन जाती है। ऐसी कालजयी कला की उपेक्षा करना समाज के संकट को और गहरा करता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि कला और सौंदर्य को केवल परिभाषित करने के बजाय उनके क्रियात्मक आयोजन को सुदृढ़ किया जाए, क्योंकि क्रियात्मक आयोजन ही सामाजिक प्रगति और मानवीय उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है।

विदेश की खबरें

नाइजीरिया की एजेंसी ने मादक पदार्थ जब्ती के मामले में 22 भारतीयों को हिरासत में लिया

अबुजा : नाइजीरिया की मादक पदार्थ रोकथाम एजेंसी ने लागोस के अपापा बंदरगाह पर जहाज से कोकीन जब्त किए जाने के संबंध में 'एमवी अरुणा हुल्या' नामक व्यापारिक पोत के चालक दल के 22 भारतीय सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। नाइजीरियाई वेब पोर्टल 'पंच' के अनुसार, राष्ट्रीय ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसी (एनडीएलईए) ने कहा कि लागोस के अपापा बंदरगाह स्थित जीडीएनएल टर्मिनल पर तैनात कर्मियों ने शुक्रवार को मादक पदार्थ की खेप बरामद की। एजेंसी के मीडिया निदेशक फेमी बाबाफेमी ने रविवार को एक बयान में कहा, मार्शल द्वीप समूह से आए जहाज से 31.5 किलोग्राम कोकीन बरामदगी के मामले में हिरासत में लिए गए लोगों में जहाज के कप्तान शर्मा शशि भूषण और चालक दल के 21 अन्य सदस्य शामिल हैं। एनडीएलईए ने बोर्नो में मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला का भंडाफोड़ करते हुए दो आपूर्तिकर्ताओं की गिरफ्तारी और मादक पदार्थों की बड़ी खेप जब्त की है।

मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में मादुरो पहली बार अमेरिकी अदालत में पेश हुए

न्यूयॉर्क : वेनेज़ुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद के आरोपों पर सोमवार को पहली बार अमेरिकी अदालत में पेश किया गया। इन आरोपों का इस्तेमाल ट्रंप प्रशासन ने उन्हें पकड़ने और न्यूयॉर्क लाने के कदम को उचित ठहराने के लिए किया था। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, मादुरो ने अमेरिकी अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए न्यायाधीश से कहा, 'मैं एक सभ्य व्यक्ति हूं, अपने देश का राष्ट्रपति हूं।' मादुरो दोपहर के आसपास एक संक्षिप्त, लेकिन आवश्यक कानूनी कार्यवाही के लिए न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित हुए, जिससे संभवतः इस बात पर एक लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो जाएगी कि क्या उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया जा सकता है। मादुरो और उनकी पत्नी को सोमवार तड़के ब्रुकलिन जेल से सशस्त्र सुरक्षा के तहत ले जाया गया, जहां उन्हें मैनहट्टन कोर्टहाउस में हिरासत में रखा गया है।

बांग्लादेश: अदालत ने हसीना के खिलाफ आरोप तय करने के लिए 21 जनवरी की तारीख तय की

बीजिंग : बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने की तारीख 21 जनवरी निर्धारित की। समाचार पोर्टल 'टीबीएस न्यूज' के अनुसार यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने दिसंबर 2024 में 'जॉय बांग्ला ब्रिगेड' नामक एक समूह की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया था। आरोप है कि बैठक के दौरान उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की कथित तौर पर साजिश रची थी।

वर्ग पहेली नं. 3313

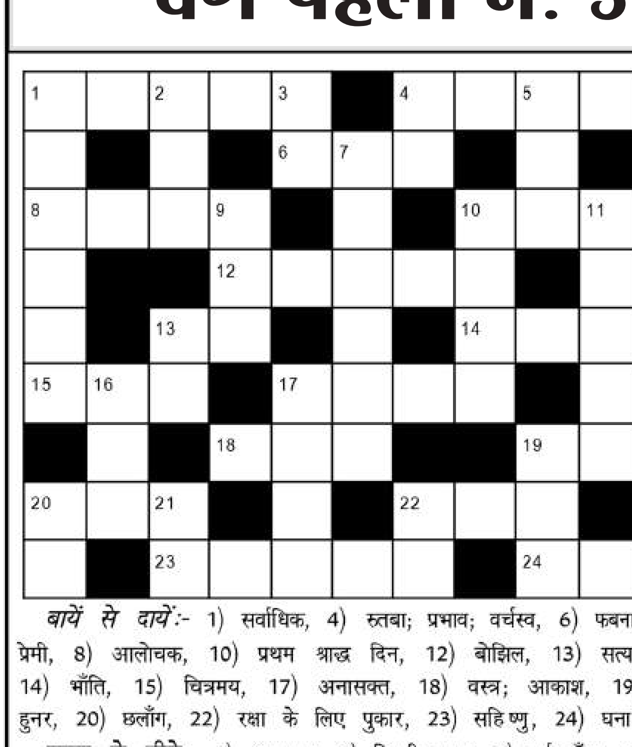

बायें से दायें:- 1) सर्वाधिक, 4) रुतबा; प्रभाव; वर्चस्व, 6) फबना; प्रेमी, 8) आलोचक, 10) प्रथम श्राद्ध दिन, 12) बोझिल, 13) सत्य, 14) भाँति, 15) चित्रमय, 17) अनासक्त, 18) वस्त्र; आकाश, 19) हुनर, 20) छलाँग, 22) रक्षा के लिए पुकार, 23) सहिष्णु, 24) घना.

ऊपर से नीचे:- 1) आसपास, 2) तिरछी नजर, 3) नई मूँछ, 4) ज़मीन में डालना (बीज), 5) सीमा के पार; खुले में, 7) ज़मानत लेनेवाला, 9) छिलका, 10) रसोईपात्र, 11) रावणवध का कारण, 13) बैठक; अधिवेशन, 16) फटा-पुराना कपड़ा, 17) अंगलेप, 19) जासूस, 20) मूर्ख; एक पक्षी, 21) रग, 22) फूल.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3271

		5					7	3
		6	3					
		7			8	5		
1			7	2				9
	7						3	
	2		9	6		4		
				1		9		
								2
			5					6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3270 का उत्तर

1	3	8	9	6	2	7	5	4
7	4	9	1	5	3	8	2	6
6	2	5	8	7	4	9	1	3
2	1	6	5	9	8	3	4	7
9	7	4	6	3	1	5	8	2
8	5	3	4	2	7	1	6	9
4	8	7	2	1	9	6	3	5
5	9	2	3	8	6	4	7	1
3	6	1	7	4	5	2	9	8

एसआईआर के दौरान 'अमानवीय' आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करूंगी : ममता

कोलकाता/गंगासागर : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए 'अमानवीय' आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करेंगी। दक्षिण 24 परगना के सागर द्वीप में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ने लोकतांत्रिक सुरक्षा उपायों को कमजोर करते हुए, मतदाता सूचियों से मनमाने ढंग से नाम हटाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अनौपचारिक प्लेटफॉर्म सहित अपारदर्शी डिजिटल प्रक्रियाओं का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, यह अस्तित्व की लड़ाई है। हम कानूनी सहायता ले रहे हैं। एसआईआर के कारण बहुत से लोगों की मौत हो चुकी है। हम कल एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा, यदि आवश्यक हुआ तो मैं उच्चतम न्यायालय जाऊंगी और एक आम नागरिक के रूप में जनता के लिए पैरवी करूंगी। मैं जनता की ओर से बोलूंगी। भाजपा ने तीखा पलटवार करते हुए बनर्जी पर एसआईआर प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के लिए प्रौद्योगिकी का 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। बनर्जी ने आरोप लगाते हुए कहा, एआई यह तय कर रहा है कि किसका उपनाम बदला है, किसकी शादी हुई है, कौन सी लड़की अपने ससुराल गई है। एक हत्यारे को भी अपना बचाव करने का मौका मिलता है। यहां लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं।' बनर्जी ने कहा कि नाम हटाने के लिए मामूली वर्तनी की गलतियों, पते में बदलाव या शादी का हवाला दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जाति प्रमाण पत्र सहित वैध सरकारी दस्तावेजों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने तीन जनवरी को मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर राज्य में जारी मतदाता सूची के कथित 'मनमाने' और 'त्रुटिपूर्ण' विशेष गहन पुनरीक्षण को तुरंत रोकने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी थी कि इससे बड़े पैमाने पर मतदाताओं के मताधिकार का हनन हो सकता है तथा भारतीय लोकतंत्र की नींव को 'अपूरणीय क्षति' पहुंच सकती है। दो महीने में उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को तीसरा पत्र लिखा है। बनर्जी ने आयोग पर आरोप लगाया कि उसने एक ऐसी प्रक्रिया का संचालन किया है, जो 'अनियोजित, अपर्याप्त तैयारी वाली और आनन-फानन में शुरू की गई' है और जिसमें 'गंभीर अनियमितताएं, प्रक्रियात्मक उल्लंघन और प्रशासनिक चूक' शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 85 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, गर्भवती महिलाओं, ऑक्सीजन सहायता पर निर्भर लोगों को बुलाया जा रहा है... इतने लंबे समय तक इस देश में रहने के बाद, क्या उन्हें अब भी यह साबित करने की जरूरत है कि वे मतदाता और नागरिक हैं? उन्होंने कहा, 'दो महीनों में लगभग 70 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या किसी को दुख नहीं होता? अगर आपकी 85 वर्षीय मां को एम्बुलेंस में घसीटकर ले जाया जाए, तो दिल्ली के नेता क्या जवाब देंगे?' बनर्जी ने सवाल उठाया कि क्या नाम हटाने का आदेश देने वालों के पास खुद उनके माता-पिता के प्रमाण पत्र हैं? उन्होंने इस प्रक्रिया की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदाता सूची में पुनरीक्षण को कुछ महीनों में हड़बड़ी में करने के बजाय दो साल में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि नाम शामिल किए जाएं, न कि हटाए जाएं। यह जबरदस्ती क्यों? एसआईआर के पहले चरण के बाद, 16 दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची में 58 लाख से अधिक नाम हटा दिए जाने के साथ मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ हो गई। निर्वाचन आयोग ने एकतरफा कार्रवाई के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि एसआईआर एक नियमित प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री को एसआईआर पर चिंताएं व्यक्त करने का अधिकार, निर्वाचन आयोग करेगा समाधान : राज्यपाल

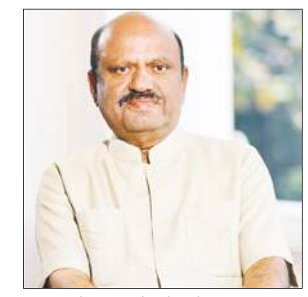

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर अपनी आशंकाएं व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। राज्यपाल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दो दिन पहले बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर राज्य में 'मनमानी और त्रुटिपूर्ण ढंग से किए जा रहे' एसआईआर को रोकने का आग्रह किया। बनर्जी की चिंताओं का जवाब देते हुए बोस ने कहा कि ऐसे मुद्दों का उचित समाधान किया जाना चाहिए। बोस ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को लोकतंत्र में किसी भी प्रक्रिया पर अपनी आशंकाएं व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। इन आशंकाओं का समाधान किया जाना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि मजबूत और संतुलित निर्वाचन आयोग इन सवालों का संतोषजनक समाधान निकालने में सक्षम होगा।' निर्वाचन आयोग पर अपना हमला तेज करते हुए बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से राज्य में 'मनमाना और त्रुटिपूर्ण' एसआईआर को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा स्थितियों में इसके जारी रहने से बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार छीन सकता है' और यह लोकतंत्र की नींव पर प्रहार होगा। तीन जनवरी को लिखे एक कड़े पत्र में बनर्जी ने आयोग पर आरोप लगाया कि उसने एक ऐसी प्रक्रिया का संचालन किया है, जो 'अनियोजित, अपर्याप्त तैयारी वाली और आनन-फानन में शुरू की गई' है और जिसमें 'गंभीर अनियमितताएं, प्रक्रियात्मक उल्लंघन और प्रशासनिक चूक' शामिल है। राज्यपाल ने संकेत दिया कि राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) योजना के अनुसार जारी रहेगा। बोस ने कहा, 'यह प्रक्रिया बिना किसी बाधा के जारी रहेगी।'

बंगाल में एसआईआर के तहत हाशिए के लोगों के लिए 160 विशेष सुनवाई केंद्र खोलेगा निर्वाचन आयोग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान हाशिए पर रहने वाले समुदायों को मतदान अधिकार से वंचित न होने देने के लिए निर्वाचन आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने राज्य के चुनिंदा जिलों में 160 विशेष विकेंद्रीकृत सुनवाई केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार ये 160 केंद्र दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, झाड़ग्राम, पुरुलिया, पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, नदिया, पश्चिम बर्दवान, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जिलों में खोले जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर दक्षिण 24 परगना के तटीय इलाकों में भी ऐसे कुछ केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं।

सूत्रों ने बताया कि इन जिलों के जिला मजिस्ट्रेट, जो जिला निर्वाचन अधिकारी भी हैं, उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे विशेष केंद्र खोलने का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से निर्वाचन आयोग को भेजा था। मांग की वैधता को देखते हुए आयोग ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार एसआईआर की शुरुआत से ही निर्वाचन आयोग इस बात को लेकर संवेदनशील रहा है कि हाशिए के समुदायों के लोगों को प्रक्रियात्मक जटिलताओं के कारण मतदाता सूची से बाहर न किया जाए। इसी वजह से समय-समय पर उनके लिए विशेष छूट दी गई है। 160 सुनवाई केंद्र खोलने का निर्णय इसी दिशा में ताजा कदम माना जा रहा है।

ये केंद्र अस्थायी सुनवाई शिविर के रूप में दूरदराज के इलाकों में एक या कुछ दिनों के लिए लगाए जाएंगे। इन शिविरों में निर्वाचन अधिकारी खुद मौके पर पहुंचकर लोगों की सुनवाई करेंगे, ताकि उन्हें मुख्यालय तक आने में परेशानी न हो।

पिछले सप्ताह निर्वाचन आयोग ने यह भी घोषणा की थी कि राज्य की तीन आदिवासी जनजातियों बिरहोर, टोटो और सबर समुदाय के मतदाताओं को बिना किसी दस्तावेज के स्वतः अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

इससे पहले आयोग ने यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों और संन्यासियों के लिए भी पहचान संबंधी दस्तावेजों के मामले में विशेष छूट का ऐलान किया था। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इन वर्गों के मामलों में पहचान दस्ता-वेजों की सख्ती आम मतदाताओं की तरह नहीं बरती जाएगी, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान अधिकार से वंचित न रह जाए।

शुभेंदु ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर मतदाता एसआइआर को निडरतापूर्वक जारी रखने का आग्रह किया

❑ कहा-बंगाल की जनता ने एसआइआर को आशा की किरण के रूप में देखा

कोलकाता : बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को निडरतापूर्वक जारी रखने का आग्रह किया। यह पत्र मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा दो दिन पहले इस प्रक्रिया को रोकने की मांग किए जाने के बाद लिखा गया है। अधिकारी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री द्वारा एसआ-इआर को रोकने का आह्वान हार स्वीकार करने से कम नहीं है और यह उनके कार्यकाल की पहचान बने चुनावी कदाचार को जारी रखने की एक शर्मनाक कोशिश है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बनर्जी की शिकायतों की लंबी सूची न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि निर्वाचन आयोग को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताकर बदनाम करने और आम लोगों के बीच परेशान होने तथा मताधिकार से वंचित किए जाने की झूठी कहानी गढ़ने की जुगत है। 'एक्स' पर साझा किए गए पत्र में अधिकारी ने दावा किया कि इसके विपरीत, बंगाल की जनता ने एसआइआर को आशा की किरण के रूप में देखा है। चिंता और परेशानी की उनकी झूठी कहानी तृणमूल द्वारा रचा गया एक भ्रम का जाल है, जिसे उन लोगों ने तोड़ दिया है जो उनकी संरक्षण की राजनीति को नकारते हैं और निष्पक्ष मतदान को तरजीह देते हैं। बेवजह की जल्दबाजी और अपर्याप्त तैयारी के आरोपों को खारिज करते हुए अधिकारी ने कहा कि राच्य में 50,000 से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को इस पुनरीक्षण प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राच्य सरकार और तृणमूल सदस्य जमीनी स्तर के अधिकारियों को डरा-धमका कर और गलत सूचना फैलाकर एसआइआर में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि मैं निर्वाचन आयोग से आग्रह करता हूं कि वह लोकतांत्रिक जनसमूह के अटूट समर्थन से सशक्त होकर निडरतापूर्वक एसआइआर को आगे बढ़ाए। यह प्रक्रिया संविधान पर हमला नहीं, बल्कि उसकी सच्ची पुष्टि है जो हमारे चुनावों पर लंबे समय से छाए अंधकार को दूर करती है। इससे पहले, तीन जनवरी को लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयुक्त से राच्य में मनमानी और त्रुटिपूर्ण एसआइआर को रोकने का आग्रह किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा स्थितियों में इसके जारी रहने से बड़े पैमाने पर लोगों का मताधिकार छीन सकता है और यह लोकतंत्र की नींव पर प्रहार होगा।

NAME CHANGE

I, Rajesh Gupta, S/o.- Kartick Shaw, R/o.- 201, Maharshi Devendra Road, P.O.- Beadon Street, P.S.- Jorabaga, KMC ward no. 21, Kol-700006, WB, declare that Kartick Shaw, Kartick Prasad Gupta & Kartick Prasad Shaw all are same one identical person.my father's name has been recorded in Pan Card as Kartick Prasad Gupta, vide Affidavit No.18 dtd. 05.01.2026, before the Ld. 1st Class Judicial Magistrate, Calcutta.

DECLARATION

I, Manisha Gupta, D/o.- Rajesh Gupta, R/o.- 201, Maharshi Devendra Road, P.O.- Beadon Street, P.S.- Jorabagan, KMC ward no. 21, Kol-700006, WB, declare that Kartick Shaw is my Grand Father & Rajesh Gupta is my Father on the basis of statement made in the supported by Public Documents. vide Affidavit No.19 dtd. 05.01.2026, before the Ld. 1st Class Judicial Magistrate, Calcutta.

हावड़ा मंडल के तहत ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

ओवरहेड उपकरण कार्य के लिए, हावड़ा मंडल के तहत बैण्डेल स्टेशन सीमा से बाँसबेड़िया स्टेशन तक अप एवं डाउन बैण्डेल-आजिमगंज-कटवा लाइन पर **दिनांक 06.01.2026 को 90 मिनट** के लिए (**सुबह 05.10 बजे से सुबह 06.40 बजे तक) ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक** आवश्यक होगा। फलस्वरूप, नीचे उल्लेखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:

• **दिनांक 06.01.2026 को निरस्तीकरण : (1)** 37912 कटवा-हावड़ा लोकल, **(2)** 37744 कटवा-बैण्डेल लोकल, **(3)** 37745 बैण्डेल-कटवा लोकल, **(4)** 37911 हावड़ा-कटवा लोकल। • **नियंत्रण: (1)** 15712 कटिहार-हावड़ा साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 05.01.2026) मार्ग में 40 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी। **(2)** 37742 कटवा-बैण्डेल लोकल (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 06.01.2026) मार्ग में 30 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी। असुविधा के लिए खेद है। **मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा**

पूर्व रेलवे

आयोग का स्पेशल एक्शन, सांसद व अभिनेता देव और क्रिकेटर शमी को सुनवाई के लिए समन

❑ क्रिकेटर मोहम्मद शमी उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं लेकिन लंबे समय से कोलकाता के जादवपुर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता हैं

कोलकाता : बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआइआर)के तहत निर्वाचन आयोग ने बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने टालीवुड सुपरस्टार और तृणमूल कांग्रेस के सांसद देव (दीपक अधिकारी) और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सहित कई हस्तियों को सुनवाई के लिए तलब किया है।

तृणमूल सांसद देव के साथ-साथ उनके परिवार के तीन सदस्यों को भी एसआइआर सुनवाई के लिए नोटिस भेजा गया है। देव का जन्म पश्चिम मेदनीपुर के घाटल में हुआ था, लेकिन वर्तमान में वह कोलकाता के साउथ सिटी में रहते हैं। हालांकि, सुनवाई की सटीक तारीख अभी स्पष्ट नहीं है। सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने इसे राजनीतिक उत्पीड़न करार दिया है।

❑ शमी के साथ उनके भाई को भी नोटिस

क्रिकेटर मोहम्मद शमी, जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं लेकिन लंबे समय से कोलकाता के जादवपुर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता हैं, उन्हें भी फार्म में कुछ विसंगतियों के कारण बुलाया गया है। शमी वर्तमान में राजकोट में विजय हजारे ट्राफी खेल रहे हैं, जिसके कारण वह सोमवार की सुनवाई में शामिल नहीं हो सके। उनके भाई को भी नोटिस जारी किया गया है।

सिर्फ देव और शमी ही नहीं, बल्कि बंगाली फिल्म उद्योग के अन्य सितारों को भी आयोग ने नोटिस जारी किया है। अनिरबान भट्टाचार्य को इसीलिए बुलाया गया है क्योंकि उन्होंने 2002 का दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। इसके अलावे कौशिक बनर्जी और लाबोनी सरकार इस अभिनेता दंपती ने सोमवार को सुनवाई में हिस्सा लिया। लाबोनी सरकार ने बताया कि उनसे केवल हस्ताक्षर मिलान कराया गया।

❑ तृणमूल ने की आलोचना

स्थानीय तृणमूल पार्षद मौसमी दास ने निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे व्यस्त हस्तियों को परेशान करने वाला कदम बताया है। आयोग की इस विशेष जांच का उद्देश्य मतदाता सूची में मौजूद त्रुटियों को दूर करना और डेटा का भौतिक सत्यापन करना है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 246_2025-26, दिनांक: 02.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 **[वरिष्ठ डीईएन/सी/हावड़ा]** द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण :** (i) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17/ए/1 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (ii) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17/ए/टी के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (iii) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17/ए/6 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (iv) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 18 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (v) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 12ए/1 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 32,40,18,905.10, **बयाना राशि :** रु. 17,70,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 27.01.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-510/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएच/589, दिनांक 02.01.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, सियालदह, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम ऑफिस, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/टेली/टी/18/25-26/सीएपी। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** सियालदह मंडल के टर्मिनेटिंग और ओरिजिनेटिंग स्टेशनों पर ईएमयू, एमईएमयू पैसेंजर ट्रेनों के मैनुअल फीडिंग प्रतिशत को कम करने के लिए डेटा लॉगर (सीओए के साथ टर्मिनल) का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु.2,06,59,244.80, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.2,53,300/-, **कार्य की समापन अवधि:** 06 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 14.01.2026, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 28.01.2026 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 28.01.2026 को 14.30 बजे। **विवरण www.ireps.gov.in से देखा जा सकता है। तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** "डेटालॉगर या आरटीयू की आपूर्ति, स्थापना और आरंभ करना या कोई सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य जिसमें शामिल है ईआई या आरआरआई या पीआई या आईबीएस या आईबीएच या एलसी गेट इंटरलॉकिंग या यार्ड रूपांतरण या यूएफएसबीआई या ट्रैक सर्किट (एएफटीसी या डीसी टीसी) या एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी या एमएसडीएसी या एचए-एसएसडीएसी) या ऑटोमेटिक सिग्नलिंग"। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।

SDAH-335/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान बड़ा खुलासा

बांग्लादेशी पासपोर्ट रखने वाले 14 मतदाता चिन्हित

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची की शुचिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने कम से कम 14 ऐसे मतदाताओं की पहचान की है, जिनके पास भारतीय मतदाता पहचान पत्र होने के साथ ही बांग्लादेशी पासपोर्ट भी मौजूद है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को इनपुट मिले थे कि कुछ मतदाता मूल रूप से बांग्लादेश के निवासी हो सकते हैं, जो वैध वीजा पर भारत आए थे लेकिन वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी लौटे नहीं। इस संदेह के आधार पर कोलकाता स्थित विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय से सत्यापन कराया गया।

विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में पुष्टि की है कि सभी 14 लोग बांग्लाद-ेशी पासपोर्ट धारक हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये लोग वैध वीजा पर पश्चिम बंगाल में दाखिल हुए थे, लेकिन समय पूरा होने के बाद भी बांग्लादेश नहीं लौटे। आरोप है कि बाद में इन्होंने भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल कर लिए और मतदाता सूची में नाम दर्ज करा लिया।

इन तथ्यों के सामने आने के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने भारत निर्वाचन आयोग से सिफारिश की है कि इन 14 लोगों के नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाए जाएं। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को प्रकाशित की जानी है।

ये 14 मामले उत्तर 24 परगना, नदिया और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में सामने आए हैं। बांग्लादेश सीमा से सटे होने के कारण ये इलाके सुरक्षा और चुनावी दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माने जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन जिलों में अवैध घुसपैठ और फर्जी दस्ता-वेजों को लेकर पहले से ही सतर्कता बरती जा रही है।

पश्चिम बंगाल पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सामने आया है कि अवैध घुसपैठियों को भारतीय व्यवस्था में शामिल करने के लिए एक संगठित तरीका अपनाया गया। जांच एजेंसियों के अनुसार, पहले इन्हें भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे गांवों में पनाह दी जाती थी। इसके बाद स्थानीय स्तर पर मिलीभगत कर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और राशन कार्ड बनवाए जाते थे।

इन दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड और पैन कार्ड हासिल किए जाते थे। बाद में इन्हीं कागजातों के सहारे मतदाता पहचान पत्र और कुछ मामलों में भारतीय पासपोर्ट तक बनवा लिए गए। अधिकारियों का कहना है कि इस बहुस्तरीय प्रक्रिया के जरिए कई घुसपैठिए चुनावी व्यवस्था का हिस्सा बन गए, जो आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती है।

चार अफसरों पर एफआइआर दर्ज करने के मामले में आयोग ने अब डीएम से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

❑ मतदाता सूची में गड़बड़ी के मामले में चुनाव आयोग ने चार अधिकारियों व एक डेटा एंट्री आपरेटर पर कार्रवाई का दिया था निर्देश

कोलकाता : बंगाल में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में बड़ी अनियमितताओं के सामने आने के बाद निर्वाचन आयोग का रुख बेहद कड़ा हो गया है। आयोग ने दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मेदिनीपुर के जिलाधिकारियों सह जिला मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या आरोपित चार अधिकारियों के खिलाफ अब तक प्राथमिकी दर्ज की गई है। आयोग ने इस संबंध में जल्द से जल्द स्टेटस रिपोर्ट तलब की है।

पूरा मामला दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पूर्व और पूर्वी मेदिनीपुर के मैना विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ा है। इन क्षेत्रों में मतदाता सूची के काम में गंभीर खामियां पाई गई थीं, जिसके बाद आयोग ने संबंधित दो ईआरओ (निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी) और दो एईआरओ (सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी) को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया था। निलंबित अधिकारियों में देबोत्तम दत्त चौधरी, तथागत मंडल, बिप्लव सरकार और सुदीप्त दास शामिल हैं, जो सभी डब्ल्यूबीसीएस संवर्ग के अधिकारी हैं।

आयोग ने न केवल निलंबन बल्कि इन अधिकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का निर्देश राज्य के तत्कालीन मुख्य सचिव मनोज पंत को दो बार पत्र लिखा था। हालांकि, निर्देशों के 72 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराज होकर आयोग ने अब सीधे जिलाधिकारियों को जवाबदेह ठहराया है। अधिकारियों के साथ-साथ डेटा एंट्री आपरेटर सुरजित हलदर के खिलाफ भी कार्रवाई की स्थिति पूछी गई है। वर्तमान में ये अधिकारी विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर तैनात हैं, जैसे जिला ग्रामीण विकास सेल के डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर और ब्लाक स्तर के आडिट अधिकारी। आयोग की इस सक्रियता ने राज्य प्रशासन में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर आयोग किसी भी प्रकार की कोताही बरतने के मूड में नहीं दिख रहा है। अब सबकी नजर जिलाधिकारियों द्वारा भेजी जाने वाली रिपोर्ट पर टिकी है।

अभिषेक की सभा में दिखे 'जीवित' मतदाता, मामले में आयोग ने माना 'अनजाने में हुई चूक'

❑ बीएलओ से अनजाने में हुई चूक की वजह से दो के नाम मृतक के लिस्ट में चले गए थे

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की जनसभा के दौरान एक वाला मामला सामने आया था, जिसे लेकर अब निर्वाचन आयोग के पास विस्तृत रिपोर्ट जमा कर दी गई है। इस रिपोर्ट में आयोग ने स्वीकार किया है कि मतदाता सूची के मसौदे में जीवित व्यक्तियों को 'मृत' दिखाना दरअसल एक अनजाने में हुई मानवीय भूल थी।

शुक्रवार को बारुईपुर की सभा में अभिषेक बनर्जी ने मंच पर तीन ऐसे व्यक्तियों को खड़ा किया था, जिन्हें चुनाव आयोग की हालिया ड्राफ्ट वोटर लिस्ट (एसआइआर) में मृत घोषित कर दिया गया था। अभिषेक बनर्जी ने इन तीनों के साथ रैंप पर चलकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। इन मतदाताओं की पहचान मणिरुल मुल्ला, हरेकृष्ण गिरि और माया दास के रूप में हुई है। इनमें से दो मटियाब्रुर्ज और एक काकद्वीप के निवासी हैं।

इस घटना के बाद मचे राजनीतिक घमासान को देखते हुए चुनाव आयोग ने संबंधित जिलाधिकारियों से तुरंत रिपोर्ट तलब की थी। रविवार को जमा की गई रिपोर्ट में निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) ने स्पष्ट किया है कि मणिरुल और हरेकृष्ण के मामले में बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) से अनजाने में त्रुटि हुई थी। शुरुआती बूथ स्तर की सूची में उनके नाम हटाने वालों में नहीं थे, लेकिन तकनीकी कारणों या मानवीय चूक से वेबसाइट पर अपलोड की गई सूची में उन्हें मृत दिखा दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गलती का अहसास होते ही बीए-लओ ने उनके घर जाकर फार्म-6 भरवा लिया है ताकि उनका नाम दोबारा सूची में जोड़ा जा सके।

वहीं, माया दास के मामले में रिपोर्ट में सीधे तौर पर पूरी प्रक्रिया को गलत माना गया है। निर्वाचन आयोग अब इस रिपोर्ट की गहन समीक्षा कर रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले चंडीपुर में भी ऐसी ही घटना हुई थी, जहां संबंधित बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अब देखना यह है कि इस गंभीर लापरवाही के लिए आयोग संबंधित अधिकारियों पर क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई करता है।

नववर्ष से पहले बंगाल में चुनाव संपन्न कराने की योजना

❑ वोटिंग के चरण घटाने पर गंभीर चुनाव आयोग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर चुनाव आयोग मतदान के चरणों की संख्या घटाने पर गंभीरता से विचार कर रहा है और पूरी चुनावी प्रक्रिया को बंगाली नववर्ष से पहले समाप्त करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस दिशा में दिल्ली से संकेत मिल चुके हैं और चुनाव आयोग ने आवश्यक प्रारंभिक निर्देश भी जारी कर दिए हैं। आगामी 14 फरवरी को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद

अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने की संभावना है। इसके दो-तीन दिन के अंदर ही चुनाव अधिसूचना जारी की जा सकती है, जिससे बंगाली नववर्ष से पहले मतदान प्रक्रिया पूरी करने का रास्ता साफ हो जाएगा।

हाल ही में भाजपा के केंद्रीय नेत-ाओं ने कोलकाता दौरे के दौरान यह संकेत दिए थे कि केंद्र नए वर्ष की शुरुआत में बंगाल को नई सरकार देने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच सोमवार को दिल्ली में एक अहम बैठक प्रस्तावित है, जिसमें राष्ट्रीय चुनाव आयोग, गृह मंत्रालय, केंद्रीय सुरक्षा बलों के शीर्ष अधिकारी और राज्य के चुनावी अधिकारी शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों की उपलब्धता और तैनाती का आकलन करना है।

सूत्रों के मुताबिक, केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में कम चरणों में चुनाव कराए जाने के उदाहरणों को ध्यान में रखते हुए आयोग बंगाल में भी पांच, छह या सात चरणों के बजाय एक से तीन चरणों में मतदान कराने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, यदि सुरक्षा बलों की उपलब्धता सीमित रही तो अधिकतम चार चरणों में चुनाव कराए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। 2021 में कोरोना काल के दौरान सात चरणों में हुए चुनावों को लेकर आयोग को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था और हिंसा की घटनाएं भी सामने आई थीं। इन्हीं अनुभवों से सबक लेते हुए इस बार आयोग पहले से ही रणनीति तैयार कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जा सकता है और अप्रैल के दूसरे सप्ताह से मतदान शुरू होने की संभावना है। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पर्याप्त सुरक्षा बल मिलने पर तीन चरणों में ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे, ताकि चुनाव प्रक्रिया सुरक्षित, सुव्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से पूरी हो सके।

ई-मेल के जरिए प्रधानमंत्री तक पहुंचा विश्वभारती विवि में भर्ती में गड़बड़ी का मामला

विश्वभारती प्रशासन ने आरोपों को किया खारिज

कोलकाता : बंगाल में शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय में गैर शैक्षणिक और प्रशासनिक स्थायी पदों पर हुई भर्तियों में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। कई अभ्यर्थियों ने इस मामले में विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ईमेल भेजकर शिकायत की है। शिकायतें शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भी भेजी गई हैं।

आरोप है कि अंतिम मेरिट सूची विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड नहीं की गई और चयनित उम्मीदवारों को निजी ई-मेल के जरिए नियुक्ति पत्र भेजे गए। रजिस्ट्रार, अध्ययन निदेशक और प्रकाशन विभाग के निदेशक

जैसे कुछ पदों की जानकारी तो सार्वजनिक की गई, लेकिन उप रजिस्ट्रार और सहायक रजिस्ट्रार सामान्य पदों की मेरिट सूची अब तक जारी नहीं की गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि लिखित परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने कराई थी, लेकिन प्रारंभिक परिणाम उसकी वेबसाइट पर प्रकाशित नहीं किए गए। इसके बावजूद 27 अक्टूबर, 2025 को अंतिम मेरिट सूची जारी कर दी गई, जिसे लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि मौजूदा दौर में भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही है और नियमों को दरकिनार किया गया है। हालांकि विश्वभारती प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज किया है। वहीं, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने शिक्षा मंत्रालय को भेजे जवाब में कहा है कि सभी नियुक्तियां 17 अप्रैल, 2023 को जारी भर्ती अधिसूचना के नियमों के अनुसार की गईं और पांच दिसंबर को कार्यकारिणी परिषद से इन्हें मंजूरी मिली। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं।

जावा-येज्दी की टॉप-सेलिंग मोटरसाइकिलें अब अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध

कोलकाता, समाज्ञा : जावा येज्दी मोटरसाइकिल्स ने अपनी लोकप्रिय 2025 येज्दी एडवेंचर और 2025 येज्दी रोडस्टर को अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध करा दिया है। अब तक केवल शोरूम तक सीमित ये मोटरसाइकिलें, जिन्होंने बीते फेस्टिव सीजन में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की थी, अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के ग्राहकों के लिए सुलभ होंगी। कंपनी डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन को मजबूत करते हुए ई-कॉमर्स के जरिए खरीद प्रक्रिया को और सरल बना रही है। ग्राहक ऑनलाइन बुकिंग के बाद स्थानीय अधिकृत डीलरशिप से रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस और डिलीवरी की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। जावा येज्दी मोटरसाइकिल्स के को-फाउंडर अनुपम थारेजा ने कहा कि इस पहल से क्लासिक मोटरसाइक्लिंग का अनुभव अधिक राइडर्स तक पहुंचेगा।

स्वर्गीय सुरेंद्र प्रताप सिंह की आत्मा की शांति हेतु शोकसभा आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतीय प्रगतिशील सुल्तानपुर समाज के उपाध्यक्ष स्वर्गीय सुरेंद्र प्रताप सिंह की आत्मा की शांति हेतु 4 जनवरी को अजीत सेन भवन में एक शोकसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय सुरेंद्र प्रताप सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर क्षत्रिय समाज के स्तंभ बाबू सुरेंद्र बहादुर सिंह, समाज के संरक्षक जय प्रकाश सिंह, रण विजय सिंह, शंकर बक्श सिंह, चंद्रिका बक्श सिंह तथा संपादक अनिल राय सहित अन्य गणमान्य लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत नेता के दोनों सुपुत्र आकाश सिंह एवं आदित्य सिंह को इस कठिन समय में साहस बनाए रखने की प्रेरणा दी। शोकसभा में आजमगढ़ सेवा संघ से गंगा बक्श सिंह, रामानुज सिंह, वेदप्रकाश तिवारी एवं विनोद सिंह सुल्तानपुर समाज

के ओमप्रकाश मिश्र, कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ से योगेश अवस्थी, कालिका देवी सेवा समिति से उमेश द्विवेदी सहित अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित कर संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर समाज के संरक्षक सूर्य नाथ सिंह, अध्यक्ष प्रदीप ओझा, महासचिव सुरेंद्र प्रताप सिंह, बृजेंद्र प्रताप सिंह, अनय सिंह, आनंदमोहन सिंह, अनिल सिंह, अमर बहादुर सिंह, योगेंद्र सिंह, श्याम नारायण सिंह, राघवेंद्र सिंह, इंद्रजीत सिंह, लक्ष्मी निवास सिंह, प्रदीप सिंह, निवास सिंह, भागी नंदन सिंह, आशुतोष सिंह, शारदा सिंह, दयाराम धुरिया, आकर्ष सिंह, अक्षिता सिंह, राजेश सिंह, विष्णू शंकर सिंह सहित अन्य उपस्थित सदस्यों ने नम आंखों से पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। शोकसभा का संचालन राकेश सिंह ने किया।

बांग्लादेश से लाई गई सोनाली ने बेटे को दिया जन्म, मां और नवजात शिशु की हालत स्थिर

❑ अभिषेक बनर्जी अस्पताल में सुनाली खातून से मिलेंगे

बीरभूम : बीरभूम की निर्वासित प्रवासी श्रमिक सोनाली खातून ने सोमवार सुबह रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सोनाली को पांच दिसंबर को उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद बांग्लादेश से वापस लाया गया था। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य समीरुल इस्लाम ने अस्पताल के डॉक्टरों से बातचीत के बाद बताया कि जच्चा और बच्चा दोनों की हालत स्थिर है। इस्लाम ने बताया, 'मैंने अस्पताल के डॉक्टरों से बात की। उन्होंने मुझे बताया है कि मां और शिशु दोनों की हालत स्थिर है और वे ठीक हैं।' बीरभूम जिले के मुरारई में सोनाली को पिछले साल जून में बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था और बाद में उन्हें पड़ोसी देश में भेज दिया गया था। जिस समय सोनाली को बांग्लादेश भेजा गया था, वह गर्भवती थीं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद, सोनाली को पिछले महीने उनके नाबालिग बेटे साबिर के साथ मालदा सीमा के रास्ते भारत वापस लाया गया। बांग्लादेश में, सोनाली और उनके बेटे एवं पति दानेश समेत पांच अन्य लोगों को संदिग्ध घुसपैठिया मानते हुए 20 अगस्त से चपाई नवाबगंज सुधार गृह में रखा गया। एक न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उन्हें एक दिसंबर को जमानत दे दी। उच्चतम न्यायालय में मुकदमे के बीच दानेश और स्वीटी बीबी के परिवार के तीन सदस्यों को अभी तक वापस नहीं लाया जा सका है।

सोनाली के मां बनने पर प्रतिक्रिया देते हुए, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने खुशी व्यक्त की और इस घटनाक्रम को दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार द्वारा सत्ता के चौंकाने वाले दुरुपयोग के बीच मानवता की जीत बताया। बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, 'यह जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई कि सोनाली खातून ने बीरभूम के रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज में एक बच्चे को जन्म दिया है। उनके साथ हुए अन्याय के मद्देनजर यह खुशी का क्षण और भी अधिक गहरा अर्थ रखता है। सत्ता के घोर दुरुपयोग में, दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार द्वारा उन्हें झूठे तौर पर बांग्लादेशी बताकर जबरन बांग्लादेश भेज दिया गया।' तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह मंगलवार को अस्पताल में सोनाली से मिलकर मां और उसके नवजात शिशु को अपनी शुभकामनाएं देंगे। बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'उनका यह कष्टपूर्ण अनुभव गरिमा का घोर उल्लंघन था, जिसे किसी भी नागरिक, विशेषकर गर्भवती मां को, सहने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। इन सब के बावजूद सोनाली ने असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया। यह मानवता की जीत है।' तृणमूल नेता ने कहा, 'कल, बीरभूम की अपनी यात्रा के दौरान, मैं अस्पताल में सोनाली से मिलूंगा और उन्हें एवं उनके नवजात शिशु को अपनी शुभकामनाएं दूंगा। मेरी प्रार्थनाएं उनके परिवार के साथ हैं।'

जादवपुर विश्वविद्यालय हिजाब विवाद :

जांच के दौरान अंग्रेज़ी विभागाध्यक्ष को हटाने की सिफारिश

कोलकाता : जादवपुर विश्वविद्यालय में हिजाब विवाद को लेकर गठित फैक्ट फाइंडिंग कमिटी की पहली बैठक सोमवार को संपन्न हुई। बैठक के बाद कमिटी ने जांच पूरी होने तक अंग्रेज़ी विभाग की विभागाध्यक्ष शाश्वती हालदार को उनके पद से मुक्त रखने की सिफारिश की है। हालांकि, कमिटी में शामिल राज्यपाल के प्रतिनिधि काजी मासूम अख्तर ने इस सिफारिश से असहमति जताई है।

गौरतलब है कि 24 दिसंबर को जादवपुर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान दो छात्राएं हाथों में पोस्टर लेकर शामिल हुई थीं, जिन पर लिखा था- 'माई बॉडी माई चॉइस' और 'से नो टू इस्लामोफोबिया'। इस विरोध की पृष्ठभूमि 22 दिसंबर की उस घटना से जुड़ी है, जब स्नातक तृतीय वर्ष के पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा चल रही थी। उस दौरान कुछ परीक्षार्थियों पर नियमों के उल्लंघन और नकल के आरोप लगे थे, जिसके बाद परीक्षा कक्ष में तलाशी अभियान शुरू किया गया।

आरोप है कि इसी तलाशी के दौरान अंग्रेज़ी विभाग की प्रमुख शाश्वती हालदार ने दो छात्राओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध हिजाब हटाने के लिए बाध्य किया। वहीं, शाश्वती हालदार ने विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उन्होंने यह कदम केवल नकल रोकने के उद्देश्य से उठाया था।

उनके अनुसार, जांच सभी छात्रों-छात्राओं के लिए समान रूप से की गई थी, न कि केवल हिजाब पहनी छात्राओं के लिए। उन्होंने यह भी बताया कि हिजाब हटाने या सरकाने को लेकर उन्होंने संबंधित छात्राओं से बार-बार माफी मांगी और इसे केवल अपने कर्तव्य के निर्वहन का

हिस्सा बताया।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि तलाशी के दौरान दो अन्य छात्रों के पास से नकल से संबंधित कागज़ बरामद किए गए थे, जो हिजाब नहीं पहन रहे थे।

हिजाब से जुड़े इस आरोप की जांच के लिए गठित फैक्ट फाइंडिंग कमिटी की अध्यक्षता सैयद तनवीर नसरिन कर रहे हैं। कमिटी में विश्वविद्यालय के एससी-एसटी सेल के चेयरपर्सन प्रो. सुबर्णकुमार दास, राज्यपाल के प्रतिनिधि एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक काजी मासूम अख्तर, देवब्रत दास शामिल हैं। प्रेज़ेंटिंग ऑफिसर के रूप में अतिरिक्त डिप्टी रजिस्ट्रार उज्ज्वलकुमार मंडल मौजूद हैं। सोमवार को हुई पहली बैठक में ही कमिटी ने जांच के दौरान शाश्वती हालदार को विभागाध्यक्ष पद से हटाने की सिफारिश की।

सूत्रों के अनुसार, शाश्वती हालदार ने कमिटी के समक्ष कहा कि उन्होंने इस घटना के लिए पहले ही क्षमा मांगी है और उनके मन में किसी प्रकार की घृणा नहीं है। उनका कहना है कि नकल रोकना उनका दायित्व था और सभी परीक्षार्थियों के साथ समान व्यवहार किया गया। इसके बावजूद यदि उन्हें पद से हटाया जाता है, तो यह उनके साथ अन्याय होगा। यह कहते हुए वह भावुक होकर रो पड़ीं।

ब्रिगेड परेड ग्राउंड का निरीक्षण करने पहुंचे हुमायूं कबीर के खिलाफ टीएमसी समर्थकों ने लगाए वापस जाओ के नारे

❑ भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाया

कोलकाता : नवगठित जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने अपनी प्रस्तावित रैली के स्थल का निरीक्षण करने के लिए सोमवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड का दौरा किया। तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक कबीर ने कहा कि वह रैली आयोजित करने के लिए अधिकारियों से अनुमति मांगेंगे, लेकिन उन्होंने कोई विशिष्ट तिथि घोषित नहीं की। यह रैली फरवरी के शुरू में प्रस्तावित है।

कबीर की यात्रा के दौरान टीएमसी समर्थकों के एक समूह ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए और उन पर भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कुछ देर के लिए उनकी गाड़ी का घेराव किया और प्रदर्शन किया। कबीर ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्त-ाधारी पार्टी डरी हुई है और उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वह प्रस्तावित रैली में अपनी ताकत से जवाब देंगे। बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की शैली में एक मस्जिद की आधारशिला रखने के बाद टीएमसी ने खुद को कबीर से अलग कर लिया था। अपने राजनीतिक इरादों को स्पष्ट करते हुए कबीर ने कहा कि उनका प्राथमिक उद्देश्य 2026 के विधानसभा चुनावों में भ्रष्ट टीएमसी सरकार को सत्ता से हटाना और एक पारदर्शी प्रशासन स्थापित करना है। उन्होंने लोगों से राज्य में आवश्यक राजनीतिक परिवर्तन के रूप में वर्णित इस बदलाव का समर्थन करने की अपील की। कबीर ने दिग्गज नेता गनी खान चौधरी की विरासत का भी जिक्र किया और उस युग को याद किया जब ब्रिगेड परेड ग्राउंड में कांग्रेस की रैलियों में भारी भीड़ जुटती थी और उनका महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव होता था। कबीर ने कहा कि उनका लक्ष्य ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाली प्रस्तावित रैली में 10 लाख लोगों को जुटाना है, ताकि बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में वर्णित घटना को चिह्नित किया जा सके।

लायंस कांकुड़गाछी हॉस्पिटल में नई हेल्थकेयर सुविधाओं का शुभारम्भ

❑ साध्वी डॉ. विश्वेश्वरी देवी के कर कमलों से हुआ लोकार्पण

कोलकाता : लायन्स कांकुड़गाछी हॉस्पिटल में पूज्य साध्वी डॉ. विश्वेश्वरी देवी ने अस्पताल के नवनिर्मित 5 आईसीयू बेड, 11 एचडीयू बेड, आइसोलेशन - आईसीयू, 7 ट्विन शेयरिंग केबिन, 17 जनरल बेड (पुरुष एवम् महिला) और 3 मॉड्यूलर ओ टी का लोकार्पण किया। जीवन नंदन हेल्थकेयर की ओर से नंद किशोर सोमानी, गीता देवी सोमानी और जीवन लाल बाहेती की स्मृति में हेल्थकेयर सुविधाएं प्रदान गयी हैं। साध्वी डॉ. विश्वेश्वरी देवी, बाबूलाल सोमानी और रतन बाहेती, श्रीमती रतन बाहेती, बी पी यादुका, नंदकिशोर अग्रवाल, बीएल सरावगी, गोपाल नरेडी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर हॉस्पिटल के चेयरमैन बी एन केशान ने नई यूनिट

का उद्घाटन व सुविधाओं के शुरू होने पर खुशी जताते हुए सभी दानदाताओं एवम् सहयोगियों आर पी परमानंदका, विश्वनाथ अग्रवाल, एन के अग्रवाल का उल्लेख किया, जिन्होंने हॉस्पिटल का प्रोजेक्ट लाने में बड़ी भूमिका निभाई।

दीपक बंका के विशुद्धानंद अस्प-ताल प्रबंधन में 25 साल के अनुभव से लाभ मिलने का जिक्र किया। सचिव राजेश डालमिया ने अस्पताल में प्रदत्त सुविधाओं तथा भावी योजनाओं सिटी स्कैन, लिफ्ट और जनरेटर की जानकारी दी। साध्वी जी, गुवाहाटी से पधारे बाबूलाल सोमानी ने कहा सेवा का कार्य बहुत कठिन होता है, सहयोग आवश्यक है। कोषाध्यक्ष कमल जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन दीपक बंका ने किया। निर्मल सराफ, विनोद ड्रोलिया, दिनेश कलानी, विजय कृष्ण केडिया, विश्वनाथ अग्रवाल, श्रीराम टिबड़ेवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रदीप संघई, अनंत शाह, राजेश नागौरी, दिनेश अग्रवाल, रेणु बाहेती, सीमा सोमानी एवम् लायन बन्धु सक्रिय रहे।

बड़ाबाज़ार में हिंदी भाषियों का संदेश: ममता बनर्जी को चौथी बार मुख्यमंत्री बनाएं

'लिट्टी चोखा उत्सव' में 2026 विधानसभा चुनाव को लेकर तृणमूल को समर्थन का ऐलान

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। इसी कड़ी में कोलकाता के बड़ाबाज़ार इलाके में रविवार को आयोजित 'लिट्टी चोखा उत्सव' के मंच से हिंदी भाषी समुदाय ने तृणमूल कांग्रेस के समर्थन का खुला ऐलान किया। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं और समाज के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में ममता बनर्जी को चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने की अपील की।

इस उत्सव में तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ राज्य नेता आमंत्रित थे। उनके सामने हिंदी भाषी नेतृत्व ने साफ शब्दों में कहा कि वे भाजपा की धार्मिक और विभाजनकारी राजनीति को नकारते हैं और ममता बनर्जी के विकास मॉडल के साथ खड़े हैं। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में विकास, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण के मुद्दों पर तृणमूल

सरकार का रिकॉर्ड मजबूत रहा है और इसी आधार पर 2026 में भी पार्टी को समर्थन दिया जाएगा।

हर वर्ष की तरह इस बार भी 'लिट्टी चोखा उत्सव' का आयोजन उत्तर कोलकाता के तृणमूल नेता और जय हिंद वाहिनी के अध्यक्ष कृष्णप्रताप सिंह व शक्तिप्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम में तृणमूल के राज्य अध्यक्ष सुब्रत बक्शी, राज्य उपाध्यक्ष जयप्रकाश मजूमदार, मंत्री व कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, मंत्री शशि पांजा, चंद्रिमा भट्टाचार्य, विधायक नयना बनर्जी सहित कई नेता मौजूद रहे। चोट के कारण वरिष्ठ नेता कुणाल घोष व्हीलचेयर पर कार्यक्रम में पहुंचे। सभा को संबोधित करते हुए सुब्रत बक्शी ने कहा कि बिहार और अन्य राज्यों से आकर बंगाल में बसे लोगों को किसी भी तरह की विभाजनकारी राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि विकास के दम पर ममता बनर्जी की सरकार चौथी बार सत्ता में लौटेगी।

कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल सिर्फ बंगला भाषियों का ही नहीं, बल्कि उन सभी का है जो यहां रहकर इस मिट्टी से जुड़े हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ममता बनर्जी सरकार की 93 योजनाओं का लाभ भाषा या धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों को समान रूप से मिलता है। कार्यक्रम के आयोजक कृष्णप्रताप सिंह ने कहा कि हिंदी भाषी समुदाय एकजुट होकर फिर से तृणमूल को जिताने के लिए मैदान में उतरेगा।

बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर में देवी सरस्वती की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किया

❑ भाजपा नेता शुभेंदु का आर-ोप-घटना हिंदुओं पर हमले के समान

❑ कहा, पुलिस प्रशासन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल

कोलकाता : बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में देवी सरस्वती की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर देने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक रविवार रात जिले के महिषादल में गरकमलपुर की कटहल पट्टी में स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सरस्वती पूजा 23 जनवरी को मनाई जाएगी। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि बार-बार तोडफ़ोड़ किए जाने से मूर्तिकारों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। अधिकारी ने दावा किया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में पहले भी इसी तरह की

घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि यही वजह है कि ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ये घटनाएं हिंदुओं पर हमले के समान हैं। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों को लेकर उसकी आलोचना की। उन्होंने प्रशासन से तत्काल इसमें शामिल लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस या राज्य सरकार की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पूर्वोदय क्षेत्र को हाई-स्पीड रेल की सौगात, हावड़ा-गुवाहाटी के बीच चलेगी देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

कोलकाता, समाज्ञा : नए वर्ष के अवसर पर पश्चिम बंगाल को बड़ी सौगात देते हुए भारतीय रेल ने देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच चलाने की व्यवस्था की है। यह अत्याधुनिक ट्रेन पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच हाई-स्पीड रेल यात्रा की नई शुरुआत करेगी। यह स्लीपर श्रेणी की वंदे भारत ट्रेन लगभग 14 घंटे में अपनी यात्रा पूरी करेगी, जबकि वर्तमान में इस मार्ग पर अन्य ट्रेनों से यही सफर करीब 20 घंटे में तय होता है। कम समय में, हवाई यात्रा की तुलना में किफायती किराये पर यह ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। 180 किमी प्रति घंटे

की डिजाइन गति वाली इस ट्रेन में एरोडायनामिक संरचना, उन्नत सस्पेंशन सिस्टम, स्वचालित स्ला-इडिंग दरवाजे, लचीले गैंगवे, सेमी-पर्मानेंट कपलर और आधुनिक शोर-नियंत्रण तकनीक का उपयोग किया गया है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी निगरानी, ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (टीसीएएस), केंद्रीय कोच मॉनिटरिंग सिस्टम और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप क्रैश सेफ्टी फीचर्स उपलब्ध कराए गए हैं। यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में एर्गोनॉमिक बर्थ, रीडिंग लाइट, मोबाइल व यूएसबी चार्जिंग पॉइंट, वाई-फाई सुविधा, मिनी पैंट्री, वैक्यूम टॉयलेट, दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं, शिशु सीट, फर्स्ट एसी कोच में हॉट वॉटर शॉवर और बेहतर इंटीरियर डिजाइन जैसी आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की गई हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रेन 'पूर्वोदय' क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को नया आयाम देगी और यात्रियों के लिए तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय यात्रा सुनिश्चित करेगी।

विकास भवन अभियान में जुटे उम्मीदवारों पर पुलिस ने मार्च शुरू होने से पहले की सख्त कार्रवाई

कोलकाता, समाज्ञा : नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने सोमवार को विकास भवन अभियान के तहत विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन पुलिस ने रैली शुरू होने से पहले ही उन्हें रोक लिया और कई को गिरफ्तार कर लिया। एसएलएसटी के नौकरी चाहने वाले उम्मीदवारों का कहना है कि अनुभवी उम्मीदवारों को किसी भी हालत में 10 नंबर नहीं दिए जाएंगे। इसी मांग को लेकर उन्होंने विकास भवन में डिप्यूटेशन देने का आह्वान किया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। सुबह से ही करुणामयी चौक को कड़ी सुरक्षा के घेरे में रखा गया था और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। दोपहर के एक बजे के बाद जैसे ही उम्मीदवार जमा होना शुरू हुए, पुलिस 'एक्शन' मोड में दिखाई दी और एक-एक कर कई आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस और उम्मीदव-ारों के बीच धक्का-मुक्की की घटना भी हुई। गिरफ्तार किए गए उम्मीदवारों को जबरदस्ती प्रिजन वैन में डाला गया। उम्मीदवारों का कहना है, हम कोई हिंसक या उग्र आंदोलन करने नहीं आए थे। हमारा प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था। हम केवल विकास भवन में डिप्यूटेशन देने आए थे। इसके अलावा आंदोलनकारी उम्मीदवारों ने चेतावनी दी है कि यदि पुराने पैनल से नियुक्ति या अनुभवी उम्मीदवारों को 10 नंबर दिए गए, तो वे और बड़े आंदोलन की शुरुआत करेंगे। यह लगातार मुद्दा बन चुका है और इस मामले पर कोलकाता हाई कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। साल के अंत में पुनः सड़कों पर उतरने वाले उम्मीदव-ारों के इस प्रदर्शन ने सॉल्टलेक करुणामयी में हलचल पैदा कर दी है।

सियालदह मंडल ने स्टेशन व्यवस्था सुधार के लिए पुलिस के साथ की रणनीतिक बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा करने के उद्देश्य से सोमवार को एक उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक सियालदह, काकद्वीप और नामखाना रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन लॉजिस्टिक्स, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बुलाई गई थी। बैठक की अध्यक्षता अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) सियालदह, प्रसून चक्रवर्ती ने की, जबकि आयोजन वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, सियालदह, मनोज कुमार सिंह द्वारा किया गया। बैठक में कोलकाता पुलिस, सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने, स्टेशन परिसर में यात्रियों की आव-ाजाही को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने, स्वच्छता सुविधाओं के उन्नयन तथा आपात स्थितियों से निपटने के लिए रेलवे और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने गंगासागर मेला को देखते हुए संयुक्त रणनीति के तहत काम करने पर सहमति जताई। सियालदह मंडल ने सहयोग के लिए पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए यात्रियों से संयम और सहयोग बनाए रखने की अपील की।

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस में बड़ा फेरबदल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य पुलिस में व्यापक फेरबदल की घोषणा की। पश्चिम बंगाल पुलिस निदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और पश्चिम बंगाल पुलिस सेवा (डब्ल्यूबीपीएस) दोनों के 26 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। हालांकि, तबादला किए गए अधिकारियों में से अधिकतम 23 आईपीएस हैं, जबकि शेष राज्य पुलिस सेवा के हैं। स्थानांतरित

किए गए 26 पुलिस अधिकारियों में से तीन पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रैंक के हैं, जबकि छह अधीक्षक, उपायुक्त, या कमांडेंट रैंक के हैं और बाकी अतिरिक्त अधीक्षक रैंक के हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार, वर्तमान में आईजीपी रैंक में मिदनापुर रेंज के उपमहानिरीक्षक अनूप जयसवाल को पश्चिम बंगाल में सीआईडी का आईजीपी नियुक्त किया गया है, जबकि अरिजीत सिन्हा को जंगलमहल बटालियन के उपमहानिरीक्षक के अतिरिक्त प्रभार के साथ मिदनापुर रेंज का उपमहानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि सरकार ने पहले के पदस्थापना आदेश को भी रद्द कर दिया और कालिम्पोंग के एसपी श्रीहरि पांडे को उत्तर बंगाल की खुफिया शाखा का डीआइजी नियुक्त किया। विश्वजीत महतो को डीसी, सेंट्रल, हावड़ा पुलिस कमिश्नरेट से डीसी, विशेष शाखा, बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट में स्थानांतरित किया गया। इसमें कहा गया है कि नीमा नोरबू भूटिया को डीसी, ट्रैफिक, बिधाननगर से कमांडिंग ऑफिसर, एसएपी 10वीं बटालियन के रूप में स्थानांतरित किया गया है। सुजाता कुमारी वीणापाणि को डीसी, मुख्यालय, हावड़ा पुलिस आयुक्तालय के रूप में नियुक्त किया गया है, और राकेश सिंह को डीसी, पूर्व, सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्तालय नियुक्त किया गया है। श्यामल सामंत को पुलिस अधीक्षक, सीआईडी, पश्चिम बंगाल के रूप में तैनात किया गया, जबकि राणा मुखर्जी को डीसी, विशेष शाखा, आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस आयुक्तालय के रूप में भेजा गया। अधिसूचना में हावड़ा, बिधाननगर, बैरकपुर, चंदननगर, हुगली ग्रामीण, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, उपायुक्तों, एसडीपीओ और खुफिया शाखा के अधिकारियों की पोस्टिंग भी शामिल है।

बंगाल में ईडी की रडार पर 25 कारोबारी, भ्रष्टाचार के काले धन को सफेद करने का संदेह

प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों के माध्यम से पहुंचाई गई

कोलकाता : बंगाल में भ्रष्टाचार के जरिए अर्जित की गई बेहिसाब संपत्ति के मामले में ईडी ने अपनी जांच तेज कर दी है। हालिया जांच में खुलासा हुआ है कि राज्य के विभिन्न घोटालों, जैसे राशन, शिक्षक नियुक्ति, कोयला और मवेशी तस्करी से उगाही गई करोड़ों की काली कमाई प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों के माध्यम से कुछ चुनिंदा व्यापारियों और उद्योगपतियों के पास पहुंचाई गई है।

ईडी सूत्रों के अनुसार, ऐसे 25 बड़े व्यापारियों और उद्योगपतियों की एक सूची तैयार की गई है, जो राजनीतिक रसूखदारों के बेहद करीबी माने जाते हैं। आरोप है कि पिछले दस वर्षों में इन कारोबारियों की

संपत्ति में 500 प्रतिशत तक की अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। आयकर विभाग की प्राथमिक जांच और ईडी की ईसीआइआर रिपोर्ट के आधार पर यह संदेह गहरा गया है कि इस धन का उपयोग आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। ईडी के एक उप-निदेशक के नेतृत्व में चार टीमें इन कारोबारियों के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की बारीकी से जांच कर रही हैं। जांच का मुख्य केंद्र शापिंग माल निर्माण, रियल एस्टेट और विदेशों में जमा किए गए फंड हैं। हाल ही में एक प्रमुख शापिंग माल के मालिक के आवास पर 24 घंटे से अधिक समय तक चली छापेमारी में भारी मात्रा में बेनामी संपत्ति के दस्तावेज और अवैध लेनदेन के सबूत जब्त किए गए हैं। कोयला तस्करी के 2024 के एक मामले में नए सिरे से जांच शुरू होने पर 12 अन्य व्यापारियों के नाम भी सामने आए हैं। अधिकारियों का मानना है कि भ्रष्ट तरीकों से कमाए गए करोड़ों रुपये को इन व्यावसायिक संस्थाओं के माध्यम से निवेश कर वैध बनाने की कोशिश की गई है।

पीएम समेत कई राजनेताओं ने ममता को जन्मतिथि की शुभकामनाएं दी

❑ स्वस्थ जीवन की कामना की

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत देश के कई राजनेताओं व पार्टियों ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी जन्मतिथि पर शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। बता दें कि ममता बनर्जी का जन्म पांच जनवरी, 1955 को हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम ममता को शुभकामना देते हुए एक्स पोस्ट में लिखा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने एक्स पोस्ट में लिखा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, मंगलमय जीवन तथा दीर्घायु की कामना है। झारखंड भाजपा अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लिखा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा बैद्यनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करता हूं। समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि ऊर्जावान, संघर्षशील, जनप्रिय नेता, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्षा एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आदरणीय ममता बनर्जी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ रखे एवं दीर्घायु प्रदान करे। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि सबसे लोकप्रिय, बेहतरीन परफार्मर, एक सशक्त महिला, साहसी, बंगाल की शेरनी, ममता दीदी जो हमेशा जीतती हैं, माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आप पर हमेशा खुशियों और अच्छे स्वास्थ्य की भरपूर कृपा बनी रहे।

बड़ाबाजार में सिंडिकेट राज के आरोप, ट्रक चालकों से अवैध वसूली, व्यापारियों ने जताई नाराजगी

कोलकाता, समाज्ञा : बड़ाबाजार में एक बार फिर 'सिंडिकेट राज' और अवैध वसूली के गंभीर आरोप सामने आए हैं। बड़ाबाजार-पोस्ता इलाके के व्यापारियों के एक वर्ग का दावा है कि सिंडिकेट की अनुमति के बिना किसी भी मालवाहक ट्रक को बाजार क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। आरोप है कि ट्रक पार्क कर माल उतारने के लिए चालकों से 500 से 1000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि यदि चालक तय रकम नहीं देता, तो उसे माल उतारने की अनुमति नहीं मिलती और ट्रक को घंटों रोके रखा जाता है। व्यापारियों ने बताया कि जहां कोलकाता के अन्य इलाकों में वाहन पार्किंग शुल्क प्रति घंटे 20 से 50 रुपये होता है, वहीं बड़ाबाजार में ट्रक चालकों से हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं।

आरोप है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं के संरक्षण में इलाके में एक तरह का 'छाया प्रशासन' चल रहा है। व्यापारियों का दावा है कि वार्ड नंबर 45 के एक तृणमूल नेता के इशारे पर पूरा वसूली नेटवर्क संचालित किया जा रहा है। कथित तौर पर उस नेता की 'युवा ब्रिगेड' ट्रक चालकों को धमकाकर पैसे वसूलती है। यह गतिविधियां मुख्य रूप से जगन्नाथ घाट रोड, नापित पट्टी और स्ट्रैंड रोड क्षेत्रों में सक्रिय बताई जा रही हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक व्यापारी ने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर पुलिस के जरिए परेशान किया जाता है और ट्रकों को बाजार में प्रवेश नहीं करने दिया जाता। इस मुद्दे पर वार्ड नंबर 45 के भाजपा पार्षद संतोष पाठक और भाजपा नेता मीनादेवी पुरोहित ने भी सिंडिकेट राज के आरोप लगाए हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले भी बड़ाबाजार में वसूली की शिकायतों को लेकर पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश दे चुकी हैं। उनके निर्देश पर विशाल सिंह और अमित सिंह नामक दो लोगों की गिरफ्तारी भी हुई थी, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि इसके बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

दार्जिलिंग में इस हफ्ते बर्फबारी की संभावना, कोलकाता में भी कड़ाके की ठंड

कोलकाता : पहाड़ों में घूमने गए पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। इस हफ्ते दार्जिलिंग में बर्फबारी होने की संभावना जताई गई है। सोमवार को अलीपुर मौसम कार्यालय के बयान के अनुसार, दार्जिलिंग जिले के कुछ इलाकों में बारिश के साथ बर्फ गिर सकती है। इससे पहाड़ी रास्ते, होटल और आसपास का इलाका बर्फ की सफेद चादर में ढक सकता है।

इधर, कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल में भी ठंड का असर साफ तौर पर महसूस किया जा रहा है। रविवार सुबह से ही महानगर में लोग ठिठुरते नजर आए। हालांकि साल के पहले रविवार को शहर और आसपास के इलाकों में पिकनिक का माहौल भी बना रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक, 31 दिसंबर के बाद बीते दो से तीन दिनों में कोलकाता का न्यूनतम तापमान थोड़ा बढ़ा था, लेकिन रविवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। अलीपुर के रिकॉर्ड के अनुसार, सोमवार तड़के कोलकाता का न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि तापमान के आंकड़ों से ज्यादा ठंड का असर लोगों ने महसूस किया, जिसे रियल फील कहा जा रहा है। जैसे जैसे दिन बढ़ा, ठंड भी और तेज होती गई।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि कोलकाता में इस कड़ाके की ठंड के पीछे बादलों की भूमिका रही। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और धूप नहीं निकली। इसके कारण उत्तर दिशा से ठंडी हवा शहर में बहती रही और ठंड का एहसास ज्यादा बढ़ गया। आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह की ठंड बने रहने की संभावना है। तापमान में दो से तीन डिग्री तक की और गिरावट हो सकती है।

उत्तर बंगाल के जिलों में इस पूरे हफ्ते घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। दृश्यता कम होने की आशंका है। दार्जिलिंग जिले में कुछ जगहों पर बारिश या बर्फबारी हो सकती है। वहीं जलपाईगुड़ी, कलिम्पोंग और अलीपुरद्वार में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

दक्षिण बंगाल में फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में ठंड का एक और मजबूत दौर शुरू हो सकता है, जो लोगों को कड़ाके की सर्दी का एहसास कराएगा।

श्री नारायणी मंगल पाठ समिति के 31वें महोत्सव पर सेवा-साधना का संगम

❑ **1100 महिलाओं ने किया मंगल पाठ, 127 लोगों का हुआ नेत्र परीक्षण**

हावड़ा : झुंझुनूवाली श्री राणीसती दादीजी के भक्तों की धर्मनिष्ठ सामाजिक संस्था 'श्री नारायणी मंगल पाठ समिति (बांधाघाट)' ने इस वर्ष भी नववर्ष में सबकी मंगल कामना के लिए 'महामंगल महोत्सव' का भव्य आयोजन किया। महोत्सव में सेवा और साधना का अद्भुत संगम दिखा। जहां एक ओर बेलूर के बिका बैंक्वेट में आयोजित इस महामंगल महोत्सव पर मां राणीसती दादी के भव्य श्रृंगार के दर्शन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे, वहीं निःशुल्क नेत्र चिकित्सा के लिए सुविख्यात 'गोपाल भवन बांधाघाट' में सुबह से ही जरुरतमंदों के लिए निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। थर्मनिष्ठ समाजसेवी संतोष ढांढनिया ने दीप प्रज्वलन कर

महोत्सव का उद्घाटन किया जबकि दादीजी के रजत चरण अभिषेक के साथ शुरू हुए महोत्सव में विशिष्ट सहयोगी रंजीत चौधरी ने सपत्नीक अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलित की। इस अवसर पर समिति के वयोवृद्ध सहयोगी मोतीलाल भुवालका सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। समिति की और से मारवाड़ी समाज के लोकप्रिय यू-टूबर उज्जवल केडिया को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके पश्चात गायक सौरभ मधुकर ने दादी जी का मंगल पाठ किया जिसमें लगभग 1100 महिलाओं ने शामिल होकर पूरे वातावरण को दादीजी के जयकारों से गूंजा दिया। इस दौरान दादीजी का जन्मोत्सव, विवाहोत्सव, चुनड़ी महोत्सव में श्रद्धालू झूम उठे। दूसरी ओर, गोपाल भवन बांधाघाट में इसी उपलक्ष में आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर में 127 लोगों का परीक्षण हुआ जिसमें 118 चश्मा योग्य और 5 ऑपरेशन के जरूरतमंद पाये गये। 4 को दवा व परामर्श दिया गया. कार्यक्रम का मर्मस्पर्शी संचालन सुरेश कुमार भुवालका ने किया। इसके अलावा, आयोजन स्थल के नीचे अन्न सेवा का आयोजन कर सैकड़ो जरूरतमंदों को लाभान्वित किया गया। महोत्सव की सफलता में प्रवीण अग्रवाल, सुशील कानोड़िया, सुशील बजाज, विजय अग्रवाल, अनुराग मोर, उमंग झुनझुनवाला, अभिषेक टिबड़ेवाल, अभिषेक अग्रवाल, अमित गर्ग, अंकित गुप्ता, अंकित माधोगढ़िया, अंकित अग्रवाल, वरुण बूबना, रास बिहारी बूबना, गोविंद अग्रवाल, गोविंद पोद्दार, तरंग कानोड़िया, लव अग्रवाल, मोहित ड्रोलिया, नवीन कानोड़िया, नवीन गोयल, रंजना गोयल, रवि पंसारी, ऋषि अग्रवाल, पवन पंसारी, रंजना गोयल, विनय चांदगोठिया, वैभव झुनझुनवाला, वरुण केजरीवाल, विक्रम अग्रवाल, विवेक कानोड़िया, तुषार गुप्ता आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

श्री श्याम मंदिर पंचवटीधाम में श्री श्याम मंडल (नूतन बाजार) के 56 वें श्री श्याम महोत्सव पर उमड़ा श्याम भक्तों का सैलाब

कोलकाता : महानगर में श्याम भक्तों की अन्यतम संस्था 'श्री श्याम मंडल (नूतन बाजार) का 56वां श्री श्याम महोत्सव एयरपोर्ट के निकट वी. आई. पी. रोड स्थित श्री श्याम मंदिर पंचवटीधाम में रविवार को देर रात आरती के साथ संपन्न हो गया। लगातार लगभग 31 घंटा चले इस श्याम महोत्सव में जहां एक ओर श्याम जगत के अनेक नामचीन भजन प्रवाहकों व भजन मंडलियों ने अपनी सुरीली और ओजस्वी वाणी से श्याम गुणगान की सरिता प्रवाहित की वहीं वर्षभर से प्रतीक्षित इस महोत्सव में सराबोर होने के लिए कोलकाता-हावड़ा और आसपास से तो श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा ही, कई दूसरे राज्यों के श्याम भक्तों ने भी हाजरी लगाई। और तो और राज्य के दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस स्वयं यहां सजे बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाने पहुंचे और समस्त श्याम प्रेमियों को नववर्ष की शुभकामनायें देते हुए कहा कि वे यहां पर तो हर साल आते ही हैं, बाबा बुलायेंगे तो खाटू भी जायेंगे। मंडल परिवार की ओर से माल्यार्पण, दुपट्टा व शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन के साथ ही मोनू सुल्तानिया द्वारा बांग्ला में प्रस्तुत मां काली की वंदना सुनकर मंत्री सुजीत बोस भाव-विभोर हो गये। कई अन्य गणमान्य लोगों ने भी दरबार में हाजिरी लगाई। इस बार इस महोत्सव में पधारे श्याम भक्तों के अन्यतम आकर्षण का केंद्र रहा श्री श्याम मंदिर पंचवटीधाम का नव-स्वरूप जिसका लोकार्पण हाल ही में मंदिर स्थापना के रजत जयंती महोत्सव पर हुआ था।

सत्संग पूर्व जन्मों के पुण्य व हरि कृपा से ही संभव : पं. शंभुशरण लाटा

हावड़ा : 'जीव को ऐसे अवसर बहुत पुण्य से मिलते हैं। सत्संग का लाभ या तो पूर्व जन्म के पुण्य प्रताप या फिर हरि कृपा से ही मिल सकता है। लोग कथा की महिमा समझ नहीं पाते हैं। कथा की महिमा के बारे में गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है- कहहिं सुनहिं अनुमोदन करहीं। अर्थात जो कथा कहता है या सुनता है या अनुमोदन करता है तीनों को ही समान पुण्य प्राप्त होता है।' यह उद्गार आज बेलूर के बिका बैंक्वेट हॉल में धनानिया परिवार की ओर से आयोजित नव-दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन की कथा सुनाते हुए परम श्रद्धेय श्री शंभुशरण जी लाटा ने व्यक्त किये। उन्होंने आज सती और शिव के प्रसंग का उल्लेख करते हुए अपने सारगर्भित व्याख्यान में कहा कि आज की बहन बेटियों

को अपने पति की भलाई को समझने की जरूरत है। पति से अगर कोई मन की बात कहनी है तो अनुकूल समय देखकर ही कहनी चाहिए। अगर पति व्यापार-कारोबार, घर-परिवार में घटित किसी अवांछनीय घटना से भीतर से दुःखी हो और उस समय अगर पत्नी कोई ऐसी बात कह दे जिससे दुःख ज्यादा बढ़ जाये तो फिर यह करवा चौथ का व्रत भी काम आने वाला नहीं, यह व्रत उपवास करो, अच्छी बात है लेकिन पति के मन को कष्ट पहुंचे ऐसी बातों से बचो। उन्होंने कहा कि आजकल कई पत्नियां हमेशा इस बात को लेकर बहुत तत्पर रहती हैं कि उनके पति देखने में अच्छे दिखें, उनका पहनावा अच्छा हो लेकिन तन से ज्यादा मन का ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि तन तो थोड़ा नरम-गरम भी चल जायेगा लेकिन अगर मन टूट जाये तो उसका जीवन बेकार हो जायेगा। और तो और यह बात केवल बेटियां ही नहीं बेटे भी नहीं समझ पाते। कथा के मध्य सुमधुर भजनों में श्रद्धालू भाव-विभोर नजर आये। यह नव-दिवसीय श्री रामकथा 11 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक होगी।

तीन दिवसीय 59 वें गारमेंट फेयर का शुभारम्भ

गारमेंट बायर्स एंड सेलर्स मीट और इ2इ एक्सपो में 1500 करोड़ के कारोबार की सम्भावना

कोलकाता, समाज्ञा : साइंस सिटी परिसर के मेला ग्राउण्ड पर 59 वें गारमेंट मीट और बी2बी एक्सपो का आयोजन 2 लाख स्कायर फीट में वृहद आकार में सोमवार को शुरू हुआ। वेस्ट बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन (डब्लूबीजीएमडीए) द्वारा आयोजित इस गारमेंट फेयर में 1500 करोड़ के कारोबार की सम्भावना जताई जा रही है। इससे पश्चिम बंगाल में बिजनेस के अच्छे मौके बनने की उम्मीद है। इस एक्सपो में 1000 से ज़्यादा नेशनल और इंटरनेशनल ब्रांड्स शामिल हैं। इसमें बच्चों, पुरुषों और महिलाओं के लिए रेडीमेड गारमेंट्स की एक बड़ी रेंज उपलब्ध है। राज्य सरकार और प्रमुख व्यवसायियों तथा प्रमुख कॉर्पोरेट घरानों की उपस्थिति से राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए इस आयोजन के महत्व को रेखांकित किया गया, जिन्होंने इस आयोजन में भाग लिया, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में एसोसिएशन के महत्व का पता चला। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सुजीत बोस (अग्निशमन राज्य मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार), अतीन घोष (कोलकाता नगर निगम के डिप्टी मेयर एवं विधायक), श्रीमती रेहाना खातून (पार्षद), हरि किशन राठी (डब्ल्यूबीजीएमडीए के अध्यक्ष) तथा गारमेंट उद्योग की हस्तियां- सर्वश्री निर्मल जैन, मनोज गुप्ता, बिरम प्रकाश सुल्तानिया, संजय सराफ, श्रीप्रकाश बांठिया, दिलीप साहा, पवन चतुर्वेदी, संजय जैन, ऋषि सेठिया, राजेश अग्रवाल, राजा सुल्तानिया, भाईदा, सुरेश जालान, रवि दुगड़, धर्मचन्द शर्मा एवं विक्रान्त सिंह ने सम्मिलित रूप से दीप जलाकर किया। दमकल मंत्री सुजीत बोस एवं अतीन घोष ने समवेत स्वरों में कहा कि राज्य सरकार ममता बनर्जी के नेतृत्व में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि इस फेयर से राज्य में प्रगति के नए अवसर पैदा होंगे। गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि किशन राठी ने कहा, 59वां गारमेंट बायर्स एंड सेलर्स मीट और बी 2बी एक्सपो वेस्ट बंगाल में गारमेंट इंडस्ट्री की ताकत, लचीलेपन और बढ़ती ग्लोबल अहमियत का सबूत है। दशकों से, डब्लूबीजीएमडीए उन्नत बिज़नेस प्लेटफॉर्म बनाने के लिए कमिटेड रहा है, जो देश और विदेश के मैन्युफैक्चरर्स, ट्रेडर्स और बायर्स को जोड़ते हैं। इस साल का एक्सपो न सिर्फ कोलकाता की एक खास कपड़ों की सोर्सिंग हब के तौर पर जगह को मज़बूत कर रहा है है, बल्कि राज्य में रोज़गार पैदा करने और आर्थिक विकास में भी अहम योगदान देगा। मीडिया से बात करते हुए देवेंद्र बैद (सचिव, वेस्ट बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन) ने कहा, इस वर्ष 59वें एडिशन के साथ हमारा मकसद ट्रेडिशनल बी 2बी एंगेजमेंट से आगे बढ़कर रिटेल सेगमेंट को होलसेल ट्रेड के साथ जोड़कर एक ज़्यादा इनक्लूसिव इकोसिस्टम बनाना है। यह एक्सपो नेटवर्किंग, इनोवेशन और बड़े पैमाने पर कमर्शियल ट्रांज़ैक्शन के लिए बेमिसाल मौके दे रहा है। यह प्लेटफॉर्म हमारे मेंबर्स को अपनी पहुंच बढ़ाने, बदलते मार्केट ट्रेंड्स के हिसाब से ढलने और नेशनल और ग्लोबल गारमेंट सप्लाई चेन में वेस्ट बंगाल की भूमिका को मज़बूत करने में मदद करेगा। इस मौके पर पश्चिम बंगाल गारमेंट निर्माता और व्यापारी संघ से उपस्थित अन्य प्रमुख समिति के सदस्यों में, विजय कारीवाला, प्रदीप मुरारका, कन्हैयालाल लखोटिया (कोषाध्यक्ष) प्रेम कुमार सिंहल (संयुक्त कोषाध्यक्ष), मनीष अग्रवाल, मनीष जैन, अमरचंद दुगड़, तरुण कुमार झाझरिया, आशीष झंवर, मनीष राठी, कमलेश केडिया, किशोर कुमार गुलगुलिया, विक्रम सिंह बैद, सौरव चांडक, केस खंडेलवाल, अजय सुल्तानिया, राजीव केडिया, संदीप राजा, भुवन अरोड़ा, कमलेश केडिया, मोहित दुगड़, सज्जन शर्मा, मयंक चौधरी और अनिल सोमानी, राजा सुल्तानिया, मनीष राठी, विजय अग्रवाल के साथ पूर्व अध्यक्ष हरि प्रसाद शर्मा और चाँदमल लड्ढा इस मौके पर सक्रिय थे। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रकाश चण्डालिया ने किया।

संदेशखाली में पुलिस पर हमला मामले में तीन और गिरफ्तार

हमले का मुख्य आरोपित मूसा मोल्ला अभी भी फरार

कोलकाता : बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में पुलिस वाहन पर हुए हमले के सिलसिले में नैजाट थाने की पुलिस ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या अब 12 हो गई है। हालांकि, हमले का मुख्य आरोपित मूसा मोल्ला अभी भी फरार है। रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में मूसा का भाई मोर्तजा मोल्ला भी शामिल है।

मूसा पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप है। इसी आरोप के आधार पर अदालत ने उक्त जमीन पर धारा 144 लागू कर दी थी। जमीन पर किसी भी तरह का काम करना प्रतिबंधित था। आरोप है कि मूसा ने शुक्रवार रात को प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए उस जमीन पर दीवार बनाना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही राजबाड़ी चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में वे बोयारमारी स्थित मूसा के घर भी गए और उसे पुलिस स्टेशन चलने को कहा। इसके बाद मूसा ने कथित तौर पर अपने समर्थकों को बुलाया और पुलिस पर हमला कर दिया। इस घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। शनिवार को इस घटना के सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

नींद के दौरान मौत की दस्तक, छत गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत, तीन घायल

कोलकाता, समाज्ञा : पार्क सर्कस इलाके में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में नींद के दौरान ही मौत ने दस्तक दे दी। लोहापुल के पास स्थित एक पुराने और जर्जर तीन मंजिला मकान की छत अचानक गिरने से 61 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्ची सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज नजदीकी नेशनल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। यह हादसा रविवार सुबह करीब तीन बजे पार्क सर्कस के वार्ड नंबर 65 अंतर्गत शम्सुल हुदा रोड स्थित 46/एच/ई नंबर मकान में हुआ। बताया जा रहा है कि मृत महिला राबिया खातून अपने परिवार के साथ मकान के भूतल पर रहती थीं। रात के समय परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे, तभी अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। हादसे में घायल आयेशा खातून(9), उमर उर्फ दानिश आलम(16) और वाहिद अब्दुल(55) का अस्पताल में इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार आयेशा की हालत स्थिर है और उसे मामूली चोटें आई हैं, जबकि अन्य घायलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही सुबह-सुबह स्थानीय तृणमूल कांग्रेस के पार्षद मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि मकान बेहद खतरनाक और जर्जर हालत में था। मकान मालिक को पहले ही इसकी मरम्मत कराने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन लापरवाही बरती गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से कोलकाता के पुराने और असुरक्षित मकानों को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

न्यूज इन ब्रीफ

मऊ में सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी तीन नाबालिग लड़कों को पुलिस ने हिरासत में लिया

मऊ (उप्र): मऊ जिले के रानीपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले के तीन नाबालिग आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि एक गांव में शुक्रवार रात एक नाबालिग लड़की के साथ 16-17 वर्ष के तीन नाबालिग लड़कों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। उन्होंने बताया कि शनिवार को परिजनों की तहरीर पर मामले में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। कुमार ने बताया कि भागने का प्रयास कर रहे तीनों आरोपियों को पुलिस टीम ने संत रविदास मंदिर के पास घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों आरोपियों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

बीएसईबी ने एसटीईटी का परिणाम घोषित किया, 57.96 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल

पटना: बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने सोमवार को माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) का परिणाम घोषित कर दिया, जिसमें कुल 57.96 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। समिति द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह परीक्षा 14 अक्टूबर से 16 नवंबर, 2025 के बीच कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के माध्यम से आयोजित की गई थी। बीएसईबी के अध्यक्ष आनंद किशोर ने संवाददाताओं को बताया, प्रश्नपत्र-1 और प्रश्नपत्र-2 में कुल 4,42,214 अभ्यर्थियों में से 2,56,301 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। उनमें 1,04,167 महिलाएं और 1,52,134 पुरुष शामिल हैं। इस प्रकार कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 57.96 रहा। बयान के अनुसार, एसटीईटी के प्रश्नपत्र-1 (कक्षा 9-10 के शिक्षकों की पात्रता) में 2,46,415 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि प्रश्नपत्र-2 (कक्षा 11-12 के शिक्षकों की पात्रता) में 1,95,799 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। अध्यक्ष ने बताया कि प्रश्नपत्र-1 में 16 विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 1,54,145 अभ्यर्थी सफल हुए, जो कुल का 62.56 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रश्नपत्र-2 में 29 विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 1,02,156 अभ्यर्थी सफल रहे, जो 52.17 प्रतिशत है।

बिहार में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 7.50 लाख करोड़ रुपए का निवेश: सम्राट चौधरी

पटना: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि बिहार में इस समय राष्ट्रीय स्तर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। प्रधानमंत्री गति शक्ति (पीएमजी) पोर्टल पर राज्य में कुल 170 परियोजनाओं की निगरानी की जा रही है, जिनमें कुल 7.50 लाख करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। गृह मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे चौधरी अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ये परियोजनाएं सड़क एवं राजमार्ग, रेलवे, बिजली, तेल एवं गैस, दूरसंचार, शहरी अवसंरचना, स्वास्थ्य तथा अंतर्देशीय जलमार्ग जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हैं, जो क्षेत्रीय संपर्क और सामाजिक-आर्थिक विकास में बिहार की बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण सहायक भूमिका निभा रही है। भूमि अधिग्रहण, वैधानिक स्वीकृतियों, कानून-व्यवस्था प्रबंधन तथा विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और

परियोजना एजेंसियों के साथ समन्वय के जरिए समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं से जुड़ी लगभग 96 प्रतिशत समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। चौधरी ने कहा कि कुल 170 परियोजनाओं में से 60 परियोजनाएं पूरी होकर चालू हो चुकी हैं। इनमें 1,28,095 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। वहीं 110 परियोजनाएं, जिनमें 5,30,094 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है, वर्तमान में निर्माण अथवा कार्यान्वयन के चरण में हैं। इस प्रकार लगभग 65 प्रतिशत परियोजनाएं निष्पादन चरण में हैं, जो राज्य में निरंतर अवसंरचना विस्तार को दर्शाता है। क्षेत्रवार स्थिति के अनुसार, सड़क एवं राजमार्ग क्षेत्र की 72 परियोजनाएं और रेलवे की 38 परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा बिजली, तेल एवं गैस तथा दूरसंचार क्षेत्र की परियोजनाएं भी हैं। विभिन्न क्षेत्रों में फैला यह निवेश राष्ट्रीय परिवहन गलियारों, ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल अवसंरचना पहलों के साथ बिहार के बढ़ते एकीकरण को रेखांकित करता है। चौधरी ने बताया कि राज्य में परियोजनाओं से जुड़े कुल 266 मुद्दे सामने आए हैं, जिनमें से 255, यानी लगभग 96 प्रतिशत, सुलझा लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल 11 मुद्दे लंबित हैं, जिनमें से सात प्रगति से संबंधित हैं। इन शेष मुद्दों की निगरानी प्रधानमंत्री गति शक्ति और प्रगति तंत्र के माध्यम से की जा रही है तथा संबंधित जिला प्रशासन, विभागों और केंद्रीय मंत्रालयों के साथ समन्वय कर इनके समाधान के प्रयास जारी हैं। मुद्दों में सबसे अधिक संख्या भूमि अधिग्रहण से संबंधित है, जो कुल 167 है। इसके बाद वन, वन्यजीव और पर्यावरण स्वीकृतियों से जुड़े 32 तथा राइट ऑफ यूज/राइट ऑफ वे से जुड़े 23 मुद्दे हैं। ये तीनों श्रेणियां मिलकर कुल मुद्दों के 80 प्रतिशत से अधिक हैं, जो यह दर्शाता है कि अधिकांश परियोजनाएं रेखीय अवसंरचना जैसे राजमार्ग, रेलवे, पाइपलाइन और ट्रांसमिशन लाइनों से जुड़ी हैं। अन्य मुद्दों में कानून-व्यवस्था से जुड़े 13, बिजली, ईंधन और उपयोगिता सेवाओं से जुड़े 13 तथा निर्माण से संबंधित नौ मुद्दे शामिल हैं।

राजस्थान में सड़क हादसों में छह लोगों की मौत, 14 घायल

जयपुर: राजस्थान में दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रविवार देर रात जालोर जिले में राजमार्ग पर स्लीपर बस पलटने से एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 12 से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा आहोर थाना इलाके में हुआ जहां निजी बस सांचौर से करौली जा रही थी। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसे के समय ज्यादातर यात्री सो रहे थे। स्थानीय लोगों और पुलिस ने अंदर फंसे लोगों को बस के शीशे तोड़कर बाहर निकाला। मृतकों में सांचौर के रहने वाले फगलूराम (75) और उनकी पत्नी हाउ देवी (65) शामिल हैं। वे अजमेर जा रहे थे। भरतपुर के एक और यात्री अमृतलाल की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं सीकर जिले में एक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार तड़के रींगस-खाटूश्यामजी रोड पर कार और यात्री वाहन की टक्कर में हुआ।

न्यूज अपडेट

बिहार में सात जनवरी तक घने कोहरे का अलर्ट, कई जिलों में दृश्यता घटी

पटना: बिहार ठंड की चपेट में है एवं कोहरे ने जनजीवन की रफ्तार थाम रखी है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र सात जनवरी तक कई जिलों में घने कोहरे की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज जैसे उत्तर और उत्तर-पूर्वी जिलों में घना कोहरा छाने की पूरी संभावना है। इसका सड़क परिवहन, रेल और हवाई सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने सारण, सिवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और समस्तीपुर को 'अलर्ट' या 'वॉच' श्रेणी में रखा है, जहां ठंड के साथ कोहरे का असर देखा जा सकता है। हालांकि स्थिति अत्यधिक गंभीर नहीं मानी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पछुआ हवा की रफ्तार कमजोर होने और वातावरण में नमी बढ़ने के कारण कोहरा लंबे समय तक टिक सकता है। दक्षिण और मध्य बिहार के जिलों-पटना, नालंदा, जहानाबाद, बेगूसराय, शेखपुरा, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई-में फिलहाल कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। इन्हें 'ग्रीन जोन' में रखा गया है। गया, नवादा और आसपास के इलाकों में 'येलो अलर्ट' लागू किया गया है, जहां ठंड का असर अपेक्षाकृत अधिक महसूस किया जा सकता है। रोहतास, औरंगाबाद, कैमूर और भोजपुर में भी सर्द मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आज सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस गया में दर्ज किया गया। अन्य जिलों में न्यूनतम तापमान 6 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया है।

विशेष सुसज्जित वाहन से 33 फुट ऊंचा, 210 टन वजनी शिवलिंग बिहार पहुंचा, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

गोपालगंज: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर में स्थापित किए जाने के लिए 33 फुट ऊंचा और 210 टन वजनी शिवलिंग सोमवार को पड़ोसी गोपालगंज जिले में पहुंचा। शिवलिंग के पहुंचते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए उमड़ पड़े। बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद (बीएसबीआरटी) के सदस्य सयान कुणाल ने बताया कि भगवान शिव का प्रतीक यह विशाल शिलाखंड तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश से होते हुए करीब 2,500 किलोमीटर की दूरी तय कर लगभग 45 दिनों में गोपालगंज पहुंचा है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित इस शिवलिंग को विशेष रूप से डिजाइन किए गए 96 पहियों वाले ट्रक पर लाया जा रहा है। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी और सयान कुणाल एवं अन्य लोगों ने शिवलिंग के समक्ष पूजा-अर्चना की। वाहन की गति जहां-जहां धीमी हुई या थोड़ी देर के लिए वह रुका, वहां श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। चौधरी ने पत्रकारों से कहा, यह केवल एक पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि महान आध्यात्मिक संकल्प का प्रतीक है। दिवंगत किशोर कुणाल जी ने ऐसे शिवलिंग की परिकल्पना की थी, जिसके दर्शन और पूजा से 1,008 शिवलिंगों की पूजा के बराबर पुण्य की प्राप्ति हो। आज उनका यह सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि महावीर मंदिर न्यास की टीम इस परियोजना की सतत निगरानी कर रही है, ताकि निर्माण और स्थापना पूरी शुद्धता, भव्यता और सनातन परंपराओं के अनुरूप हो।

गौशाला से पशु तस्करी कराने के आरोप में ग्राम प्रधान समेत तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

आजमगढ़: आजमगढ़ जिले में जीयनपुर क्षेत्र के पारन कुंडा गांव में तस्करी के लिए एक गौशाला से पशु चोरी की साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने एक ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव तथा गौशाला के रखरखावकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) चिराग जैन ने सोमवार को बताया कि शनिवार रात अजमतगढ़ विकास खंड के पारनकुण्डा में गौशाला से कुछ लोगों ने दो वाहनों पर गोवंशीय पशु ले जाने की कोशिश की। जैन के अनुसार इन लोगों ने कुछ जानवरों को अपने वाहनों पर चढ़ा भी लिया था, मगर पुलिस की सक्रियता की वजह से वे अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके और उन्हें भागना पड़ा। पुलिस ने वाहनों से घायल हालत में चार पशुओं को बरामद किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में लाटघाट पुलिस चौकी के प्रभारी जफर खान की तहरीर पर रविवार को एक अज्ञात गौ-तस्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

बीएलओ के साथ की बातचीत

देवघर: मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को देवघर में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) से बातचीत की और दुमका के बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीएलओ को स्वच्छ मतदाता सूची की नींव बताया। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय द्वारा सोमवार शाम जारी एक बयान में कहा गया, ''जिस प्रकार एक स्वच्छ मतदाता सूची एक अच्छे लोकतंत्र की नींव है, उसी प्रकार इसे तैयार करने वाले बीएलओ एक स्वच्छ मतदाता सूची की नींव हैं।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) देश भर में विभिन्न चरणों में जारी है। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी एक मीडिया बयान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के हवाले से कहा गया, ''झारखंड में एसआईआर की घोषणा अभी नहीं की गई है, हालांकि पूरी प्रक्रिया की जानकारी और झारखंड में बीएलओ द्वारा की गई तैयारी इस बात का पर्याप्त संकेत है कि यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य हासिल किया जाएगा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर ना रह जाए।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूची तैयार करने के लिए घर-घर जाते समय कभी-कभी बीएलओ के पास दिखाने के लिए पहचान पत्र नहीं होते थे, जिससे

संभल में बिजली चोरी रोधी अभियान : मस्जिद, ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन सहित कई जगह पकड़ी गई चोरी

संभल (उप्र): संभल जिले के राय सत्ती और सराय तरीन क्षेत्रों में सोमवार तड़के बिजली चोरी के विरुद्ध चलाये गये अभियान में एक मस्जिद और ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन समेत कई स्थानों पर चोरी पकड़ी गयी। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने यहां बताया कि उन्होंने तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और बिजली विभाग के अधिकारियों ने तड़के करीब पांच बजे से राय सत्ती और सराय तरीन क्षेत्रों में अभियान चलाया। इन क्षेत्रों में टीम बनाकर छापेमारी की गयी तो एक ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में अवैध रूप से वाहनों की बैट्री चार्ज करते पाया गया। इसके अलावा एक मिनी चार्जिंग स्टेशन भी मिला जहां से 40 से ज्यादा घरों में बिजली की

अवैध रूप से आपूर्ति की जा रही थी। उन्होंने बताया कि मुस्तफा मस्जिद में भी बिजली चोरी पकड़ी गयी। लगभग 30 स्थानों पर बिजली चोरी होते पायी गयी। पेंसिया ने बताया कि सम्भल में गत वर्ष एक सितंबर में बिजली चोरी रोकने का अभियान चलाया गया था। इससे 150 करोड़ रुपए की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बचत हुई थी। राय सत्ती और सराय तरीन क्षेत्रों में लाइन लॉस 50 प्रतिशत से अधिक है। स्पष्ट रूप से इनमें बिजली चोरी की जा रही थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने दी पुलिस भर्ती में आयु सीमा पर तीन साल की राहत

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को राहत देते हुए आरक्षी एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी किया गया है। राज्य सरकार ने सीधी भर्ती-2025 के तहत कुल 32 हजार 679 पदों को भरने का निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन के लिये महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को आयु में यह छूट एक बार के लिए प्रदान की जाएगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक राज्य सरकार ने यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-तीन के तहत लिया है।

व्रत - त्योहार

06.01.2026 : संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत

12.01.2026 : स्वामी विवेकानंद जयंती

सकट चौथ व्रत में करें इस कथा का पाठ, संतान के सभी विघ्न होंगे दूर

हर वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सकट चौथ का व्रत रखा जाता है। इस वर्ष यह पावन व्रत 6 जनवरी को रखा जाएगा। सकट चौथ का व्रत माताओं के लिए अत्यंत पुण्यदायी और फलदायी माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सभी कष्टों से रक्षा के लिए रखा जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सकट चौथ का व्रत करने से देवी सकट प्रसन्न होती हैं और भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। इस दिन विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ सकट चौथ की कथा का पाठ करना अनिवार्य माना गया है। मान्यता है कि बिना कथा के व्रत अधूरा रहता है।

आइए जानते हैं सकट चौथ की व्रत कथा...

सकट चौथ व्रत कथा

प्राचीन समय की बात है, एक गांव में एक कुम्हार रहता था, जो मिट्टी से बेहद सुंदर बर्तन बनाता था। वह अपने बनाए हुए पात्रों को भट्ठी में पकाकर मजबूत करता था। एक बार ऐसा हुआ कि कुम्हार ने जब भट्ठी में बर्तन रखे, तो आग के बावजूद वे पक नहीं पा रहे थे। उसने कई बार प्रयास किया, लेकिन हर बार असफलता ही हाथ लगी। परेशान होकर वह राजा के पास पहुंचा और अपनी समस्या बताई।

राजा ने यह बात राजपुरोहित को बताई। काफी विचार-विमर्श के बाद पुरोहित ने एक कठोर उपाय सुझाया। उसके अनुसार, भट्ठी को सफल बनाने के लिए हर बार एक बालक की बलि देना आवश्यक होगा। राजा ने इस सुझाव को मान लिया और राज्य में यह आदेश जारी कर दिया कि हर परिवार को अपनी बारी आने पर एक बालक देना होगा।

राजा के भय से सभी परिवार इस आदेश का पालन करने लगे। कुछ समय बाद एक वृद्ध महिला की बारी आई, जिसका केवल एक ही पुत्र था। संयोग से उस दिन सकट चौथ का पर्व था। वह महिला बेहद दुखी और भयभीत थी, क्योंकि उसका पुत्र ही उसके जीवन का एकमात्र सहारा था।

वृद्धा सकट माता की अनन्य भक्त थी। उसने अपने पुत्र को सकट की सुपारी और दूब का बीड़ा दिया और कहा कि भट्टी में प्रवेश करते समय माता का स्मरण करे। उसे पूर्ण विश्वास था कि माता की कृपा से उसका पुत्र सुरक्षित रहेगा।

जब बालक को भट्ठी में बैठाया गया, तब मां ने पूरे मन से सकट माता की आराधना शुरू कर दी। आश्चर्य की बात यह थी कि जो भट्ठी कई दिनों में पकती थी, वह एक ही रात में पूरी तरह तैयार हो गई।

अगले दिन जब कुम्हार ने भट्ठी खोली, तो वह हैरान रह गया। वृद्धा का पुत्र न केवल सुरक्षित था, बल्कि वे सभी बच्चे भी जीवित हो उठे थे, जिनकी पहले बलि दी गई थी। यह देखकर पूरे नगर में माता सकट की महिमा फैल गई।

इसके बाद राजा ने बलि की प्रथा को तुरंत समाप्त कर दिया। नगरवासियों ने सकट माता की शक्ति और करुणा को स्वीकार किया। तभी से सकट चौथ का पर्व माताएं श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाने लगीं। इस दिन माताएं अपनी संतान की रक्षा और सुखी जीवन के लिए सकट माता से प्रार्थना करती हैं।

एकादशी व्रत के दौरान क्या चाय या कॉफी पी सकते हैं? जानें व्रत में खाने-पीने के नियम

लाखों लोग एकादशी का व्रत रखते हैं। इस व्रत को रखने के कई फायदे हैं। यह व्रत हमारी शारीरिक शक्ति के साथ ही इच्छा शक्ति को भी बढ़ाता है। यदि आप भी एकादशी का व्रत रखते हैं तो जानिए कि आपको क्या खाना चाहिए और क्या नहीं। क्या पीना चाहिए और क्या नहीं।

एकादशी के व्रत में क्या खा या पी सकते हैं?

1. निर्जला व्रत: वैसे तो कई भक्तगण एकादशी के दिन जल भी नहीं लेते हैं। पूरे दिन अन्न और जल का त्याग कर देते हैं। अगले दिन पारण के समय ही वह अन्न जल ग्रहण करते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर रहे हैं तो कम से कम जल ग्रहण कर सकते हैं।

2. जलाहार: इसका अर्थ है कि मात्र जल को ही आहार मानकर एकादशी का व्रत रखना। दिन और रात में कितनी ही बार जल ग्रहण करके एकादशी का व्रत रख सकते हैं। लेकिन कई भक्तगण अपनी शारीरिक स्थिति के कारण यह नहीं कर पाते हैं तो वह क्षीरभोज करते हैं।

3. क्षीरभोजी: क्षीर का अर्थ दूध और भोजी का अर्थ भोजन। अर्थात एकादशी के समय दुग्धाहार ले सकते हैं। दूध में गाय का दूध ही ले सकते हैं भैंस या बकरी का नहीं। इसे दुग्धाहारी या पयोहारी भी कहते हैं।

4. रसभोजी: अर्थात फलों के रसों का ही सेवन करना। फलों में अंगूर, अनार, पपीता, केला, सेवफल, मौसंबी, संतरा, अन्नास, नारियल पानी आदि।

5. फलाहार: इसका अर्थ है फलों का आहार के रूप में लेना। इसमें भी खास फलों का ही चयन किया जाता है। जैसे केला, पपीता, सेवफल, अंगूर, मौसंबी, संतरा आदि। फलाहार में सूखे मेवे भी ले सकते हैं, जैसे बादाम, पिस्ता और अखरोट आदि।

6. नक्तभोजी: नक्त का अर्थ रात और भोजी का अर्थ भोजन करने वाला। अर्थात केवल रात में भोजन करने वाला। इस नियम में सूर्यास्त के बाद भोजन कर सकते हैं। कुछ लोग एक समय फलाहार और रात में भोजन कर लेते हैं। हालांकि रात्रि के भोजन में भी उपवास की वस्तुओं का ही सेवन करते हैं। जैसे साबूदाना खिचड़ी, सिंघाड़ा, शकरकंदी, आलू, मूंगफली के दाने, कुट्टू का आटा एवं सामक चावल आदि।

ऐसे व्रत और उपवास होते हैं जिनमें व्यक्ति दिन भर निराहार (बिना भोजन के) रहता है और केवल रात में (सूर्यास्त के बाद) एक बार भोजन करता है। ऐसे व्रत को 'नक्त व्रत' और उसे करने वाले को 'नक्तभोजी' कहा जाता है।

एकादशी के व्रत में क्या खा या पी नहीं सकते हैं?

1. कॉफी: कॉफी बीन्स कहवा नाम के फल के बीज हैं। व्रत में बीज खाना या उसका रस पीना वर्जित माना गया है। कहवा एक प्रकार की फली है तथा उपवास में सभी प्रकार की फलियों का सेवन वर्जित होता है। कोको पाउडर भी बढ़ी है।

2. चाय: चाय एक पौधे की सूखी पत्तियां होती हैं तथा सामान्यत: इसे एक झाड़ी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जिस तरह हम व्रत में पालक, मेथी जैसी अन्य पत्तियां नहीं खा सकते या उसका रस नहीं पी सकते उसी तरह चाय भी वर्जित मानी जाना चाहिए।

3. च्यवनप्राश: च्यवनप्राश 40 से अधिक सामग्रियों द्वारा बनाया जाता है, अतः कोई न कोई सामग्री एकादशी व्रत के दौरान वर्जित मानी जाने वाली सामग्री इसमें मिली हुई हो सकती है।

4. पनीर: पनीर, दुग्ध का एक विकृत रूप है। भले ही यह गाय के दूध से बना हो परंतु एकादशी के व्रत में इसका सेवन नहीं कर सकते हैं।

5. मटर: हरी मटर एक प्रकार की फलियां हैं तथा एकादशी व्रत के दौरान इनका सेवन वर्जित है।

6. टमाटर: टमाटर को कुछ लोग फल मानते हैं लेकिन इसका सेवन भी वर्जित ही माना गया है।

7. शरबत: रूह अफ्ज़ा जैसे अन्य तरह के सभी शरबत एकादशी में वर्जित माने गए हैं।

8. ड्रिंक: किसी भी प्रकार का ड्रिंक, बीयर, शराब आदि का सेवन भी वर्जित है।

9. सब्जी: एकादशी के दिन व्रत धारी व्यक्ति को गाजर, शलजम, गोभी, पालक, इत्यादि सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए।

10. अन्य पदार्थ: चॉकलेट, जौ, बैंगन, सेम फली, टॉफी, मशरूम, फ्रेंच फ्राइज, क्रिस्पी कॉर्न आदि पदार्थ का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

जानिए माघ महीने का धार्मिक महत्व, स्नान-दान और सूर्य अर्घ्य से पूरी होती है हर एक मनोकामना

पौष मास की पूर्णिमा से आरम्भ होकर माघ पूर्णिमा तक चलने वाला माघ स्नान अति पुण्य प्रदान करने वाला माना गया है। हर साल पौष पूर्णिमा से प्रयागराज के त्रिवेणी संगम (गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम) पर माघ मेले का आयोजन होता है, जो महाशिवरात्रि तक चलता है। ऐसे में साल 2026 में यह आयोजन 3 जनवरी से होने जा रहा है, जो 15 फरवरी 2026 तक चलेगा। प्रयाग में हर वर्ष लगने वाले इस मेले को कल्पवास भी कहा जाता है। माघ स्नान करने वाले मनुष्यों पर भगवान विष्णु प्रसन्न रहते हैं और उन्हें सुख-सौभाग्य, धन-संतान और मोक्ष प्रदान करते हैं। यदि सकामभाव से माघ स्नान किया जाय तो उससे मनोवांछित फल की सिद्धि होती है और निष्काम भाव से स्नान आदि करने पर वह मोक्ष देने वाला होता है ऐसा शास्त्रों में कहा गया है।

इस माह का क्या है महत्व

महाभारत के अनुशासन पर्व में माघ माह के स्नान, दान, उपवास और माधव पूजा का महत्व बताते हुए कहा गया है कि इन दिनों में प्रयागराज में अनेक तीर्थों का समागम होता है इसलिए जो प्रयाग या अन्य पवित्र नदियों में भी भक्तिभाव से स्नान करते है वह तमाम पापों से मुक्त होकर स्वर्गलोक के अधिकारी हो जाते है। इस माह के महत्व पर तुलसीदास जी ने श्री रामचरित मानस के बालखण्ड में लिखा है-'माघ मकर गति रवि जब होई ,तीरथपतिहिं आव सब कोई !!'धर्मराज युधिष्ठिर ने महाभारत युद्ध के दौरान मारे गए अपने रिश्तेदारों को सदगति दिलाने हेतु मार्कण्डेय ऋषि के सुझाव पर कल्पवास किया था। गौतमऋषि द्वारा शापित इंद्रदेव को भी माघ स्नान के कारण श्राप से मुक्ति मिली थी ।माघ मास में जो पवित्र नदियों में स्नान करता है उसे एक विशेष ऊर्जा प्राप्त होती है ,जिससे उसका शरीर निरोगी और आध्यात्मिक शक्ति से संपन्न हो जाता है । माघ स्नान से शरीर के पाप जलकर भस्म हो जाते है इस मास में पूजन-अर्चन व स्नान करने से भगवान नारायण को प्राप्त किया जा सकता है।

कब करें स्नान

माघ मास का स्नान कुछ इलाकों में तो सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आते ही यानि मकर संक्रांति के दिन से शुरू होता है ,लेकिन अधिकतर स्थानों पर इसकी शुरुआत पौषपूर्णिमा के दिन से ही हो जाती है। स्नान का उत्तम समय सूर्योदय से पूर्व माना जाता है ,जब आकाश में तारागण दिखाई दे रहा हो। ब्रह्मा,विष्णु,महेश,आदित्य,मरुद्गण तथा अन्य सभी देवी-देवता माघ में संगम स्नान करते है ।मान्यता है कि प्रयाग में माघ मास के तीन स्नान करने का फल दस हज़ार अश्वमेघ यज्ञ से भी ज्यादा होता है।

सूर्य को अर्घ्य और दान भी है खास

पदमपुराण के अनुसार पूजा, तपस्या, यज्ञ आदि से भी श्री हरि को उतनी प्रसन्नता नहीं होती, जितनी कि माघ महीने में प्रातः स्नान कर जगत को प्रकाश देने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से होती है। इसलिए सभी पापों से मुक्ति और भगवान वासुदेव की प्रीति प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य को माघ स्नान कर सूर्य मंत्र का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य अवश्य प्रदान करना चाहिए। इस मास में तिल, गुड़ और कंबल के दान का विशेष महत्त्व माना गया है। मत्स्य पुराण का कथन है कि माघ मास में जो व्यक्ति ब्रह्मवैवर्त पुराण का दान करता है उसे ब्रह्म लोक की प्राप्ति होती है।

न्यूज इन ब्रीफ

चार अधिवक्ताओं को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया

नयी दिल्ली : चार अधिवक्ताओं को सोमवार को तीन उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। विधि मंत्रालय के अनुसार, रितेश कुमार और प्रवीण कुमार को पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। जय कृष्ण उपाध्याय को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया है, जबकि सिद्धार्थ साह को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया है। अतिरिक्त न्यायाधीशों को आमतौर पर (स्थायी) न्यायाधीशों के रूप में पदोन्नत होने से पहले दो साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है। अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों (अधीनस्थ अदालतों के न्यायाधीशों) दोनों को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है।

भारत में अवैध रूप से दाखिल होने की कोशिश कर रहे 13 विदेशियों को वापस भेजा गया: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि असम के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल होने की कोशिश कर रहे 13 विदेशी नागरिकों को पकड़कर वापस उनके देश भेज दिया गया। हालांकि, हिमंत ने इन लोगों के मूल देश या उनकी जातीयता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम सभी अवैध प्रवासियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, उनके अपने वतन में रहने के अधिकार को और उन्हें वापस भेजे जाने के अधिकार को। उनके अधिकारों का सम्मान करते हुए हमने 13 प्रवासियों को सीमा के दूसरी ओर वापस भेज दिया। असम के श्रीभूमि, कछार, धुबरी और दक्षिण सालमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।

आम आदमी पार्टी के चार विधायक दिल्ली विधानसभा से तीन दिन के लिए निलंबित

नयी दिल्ली : दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के शेष तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के चार विधायकों को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण में बाधा डालने के लिए आप विधायकों संजीव झा, सोम दत्त, कुलदीप कुमार और जरनैल सिंह के खिलाफ कार्रवाई की गई। साल के पहले सत्र की शुरुआत सक्सेना के अभिभाषण से हुई। वायु प्रदूषण के मुद्दे पर आप विधायकों के प्रदर्शन के कारण उनके संबोधन में व्यवधान पैदा हुआ। प्रदर्शन के बाद, अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कई विपक्षी सदस्यों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तो पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने चार विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पढ़ते हुए सिंह ने कहा, संजीव झा, कुलदीप कुमार, सोम दत्त और जरनैल सिंह को सदन में व्यवधान पैदा करने के कारण सत्र के शेष तीन दिन के लिए निलंबित किया जाना चाहिए। सदन ने प्रस्ताव पारित कर दिया।

आईआरसीटीसी घोटाला मामला: दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालू की याचिका पर सीबीआई से मांगा जवाब

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आईआरसीटीसी घोटाला मामले में आरोप तय करने के आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सोमवार को सीबीआई से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने फिलहाल मुकदमे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि जांच एजेंसी के जवाब पर गौर किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से यादव की याचिका और रोक के आवेदन पर जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की। उच्च न्यायालय ने मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड भी मांगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और सनातन सभ्यता का विकास होता रहेगा: हिंदू धर्मगुरु

नयी दिल्ली : कई प्रमुख हिंदू संतों ने महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर के पहले विध्वंस की 1,000वीं बरसी पर लिखे गए ब्लॉग पोस्ट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोमवार को सराहना की और कहा कि जब तक वह सत्ता में हैं, भारत के साथ-साथ सनातन सभ्यता व संस्कृति भी फलती-फूलती रहेगी और संरक्षित रहेगी। 'एक्स' पर अलग-अलग पोस्ट और वीडियो संदेशों में, उन्होंने देश के विभिन्न मंदिरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार में मोदी के योगदान को स्वीकार किया और उनके दीर्घायु होने तथा अधिक सशक्त होने की कामना की ताकि वे एक विकसित और समृद्ध भारत बनाने के अपने संकल्प को पूरा कर सकें। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सोमनाथ मंदिर को विदेशी आक्रमणकारियों के कई हमलों का सामना करना पड़ा और स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल और अन्य लोगों के प्रयासों से इसका पुनर्निर्माण किया गया, जो सनातन सभ्यता और संस्कृति की शक्ति का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर की प्रशंसा करते हुए कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद इसका पुनर्निर्माण किया गया था और यह भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है। मोदी के ब्लॉगपोस्ट की सराहना करते हुए, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री जी, आपका लेख हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक तीर्थ स्थल नहीं बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है।

मोदी ने सोमनाथ मंदिर को भारत की अदम्य भावना का प्रतीक बताया, 11 जनवरी को दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का 11 जनवरी को दौरा करेंगे। मोदी ने सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि गुजरात स्थित यह मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर सोमनाथ में वर्षभर गतिविधियां आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि आठ से 11 जनवरी तक सोमनाथ में अनेक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी। प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 साल पूरा होने पर एक 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा, ''हमारी सभ्यता की अदम्य भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है।'' प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से ''अधिक उत्साहित नहीं'' थे।

भारत ने अपने नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया

नयी दिल्ली : भारत ने अपने नागरिकों से सोमवार को आग्रह किया है कि वे विरोध प्रदर्शनों से प्रभावित ईरान की गैर जरूरी यात्राओं से बचें। खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को लेकर ईरान में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिससे देश बुरी तरह प्रभावित है। नयी दिल्ली ने ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी उचित सावधानी बरतने और विरोध प्रदर्शन या धरने वाले क्षेत्रों की यात्रा से बचने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, ''हाल के घटनाक्रम को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।'' विदेश मंत्रालय ने कहा, ''ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों और पीआईओ (भारतीय मूल के व्यक्तियों) को उचित सावधानी बरतनी चाहिए, विरोध प्रदर्शनों या रैलियों वाले क्षेत्रों में जाने से बचना चाहिए और समाचारों के साथ-साथ तेहरान स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट तथा सोशल मीडिया पर भी बारीकी से नजर रखनी चाहिए।'' विदेश मंत्रालय ने ईरान में निवास वीजा पर रह रहे भारतीय नागरिकों को सलाह दी है कि अगर उन्होंने दूतावास में पहले से पंजीकरण नहीं करवाया है तो वे अब इस काम को पूरा कर लें। बिगड़ती आर्थिक स्थिति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगभग नौ दिन पहले तेहरान में शुरू हुए थे। अब तक 31 में से लगभग 25 प्रांतों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं जिनमें 10 से अधिक लोग मारे गए हैं। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ईरानी मुद्रा, रियाल के मूल्य में आई भारी गिरावट के कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हुए।

इंदौर में दूषित पानी से उल्टी दस्त के 38 नये मरीज, 110 अस्पताल में भर्ती

इंदौर : इंदौर के भगीरथपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र में दूषित पेयजल से जुड़े उल्टी-दस्त के 38 नए मामले सोमवार को सामने आए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दूषित पेयजल कांड में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि छह मरीजों को उपचार के लिए अस्पतालों में रेफर किया गया है, जबकि 110 मरीजों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें से 15 मरीजों को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती किया गया है। इंदौर संभागायुक्त सुदाम खाड़े ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक सात मौतें दर्ज की गई हैं। इससे एक दिन पहले तक अधिकारी छह मौतों की पुष्टि कर रहे थे। हालांकि, स्थानीय लोगों ने इस बीमारी से 17 लोगों की मौत का दावा किया है। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्र में क्लोरीनयुक्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भगीरथपुरा इलाके में 'कोबो टूल' के माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण के लिए केंद्र सरकार के क्षेत्रीय स्वास्थ्य निदेशक डॉ. चंद्रशेखर गेडाम द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रशिक्षण दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि यह टूल क्षेत्र की स्थिति का रियल-टाइम आकलन करने में सहायक है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हासानी के निर्देश पर क्षेत्र में करीब 200 टीमों को तैनात किया गया।

रक्षा मंत्री ने आईसीजी के पहले स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को बेड़े में शामिल किया

पणजी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गोवा में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन व निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को बल में शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित 114.5 मीटर लंबे इस पोत में 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। 4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील से अधिक गति से चल सकता है और 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज व बचाव कार्यों तथा भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। बल ने एक बयान में कहा कि भारत में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप देश की पोत निर्माण की उत्कृष्टता और स्वच्छ, सुरक्षित व आत्मनिर्भर समुद्री भविष्य के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतीक है।

कश्मीर में कड़ाके की ठंड, गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.8 डिग्री नीचे दर्ज

श्रीनगर : कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, जहां पारा गिरकर शून्य से करीब नौ डिग्री नीचे पहुंच गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित लोकप्रिय स्की रिजॉर्ट गुलमर्ग में रविवार को ताजा हिमपात के बाद न्यूनतम तापमान शून्य से 8.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले पिछली दो रातों से गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ था। वहीं, श्रीनगर में रविवार रात न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट आई और यह शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि शनिवार रात यह तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। घाटी के प्रवेश द्वार काजीगुंड में पारा शून्य से 2.0 डिग्री नीचे, कोकरनाग में शून्य से 1.2 डिग्री नीचे और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कश्मीर इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' के दौर से गुजर रहा है, जो 40 दिनों की भीषण ठंड की अवधि होती है। इस दौरान रात का तापमान अक्सर जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे गिर जाता है।

भारत-भूटान के बीच समझौता, एक-दूसरे के देश में काम करेंगे विधि लिपिक

नयी दिल्ली : भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि युवा विधि पेशेवरों को एक-दूसरे के देश भेजने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए उच्चतम न्यायालय ने भूटान की शीर्ष अदालत के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कामकाज की शुरुआत में, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इस एमओयू के तहत भूटान के दो विधि लिपिकों को यहां के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तीन महीने की अवधि के लिए नियुक्त किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लिपिकों को भारतीय विधि लिपिकों के समान मानदेय दिया जाएगा और उनके यात्रा खर्च का वहन उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाएगा। खचाखच भरे न्यायालय कक्ष में विधि लिपिकों का परिचय कराते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने उन्हें युवा व प्रतिभाशाली बताया और कहा कि उन्हें उनके कार्यकाल के दौरान विभिन्न न्यायालयों में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमने भूटान के उच्चतम न्यायालय के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके आधार पर दो विधि लिपिक नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें भारतीय विधि लिपिकों के समान मानदेय के आधार पर भुगतान किया जाएगा और वे तीन महीने की अवधि के लिए वहां रहेंगे।

असम में 5.1 तीव्रता का भूकंप, तीन लोग घायल

गुवाहाटी/मोरीगांव : असम के मध्य भाग में सोमवार तड़के 5.1 तीव्रता का भूकंप आया और इससे जुड़ी घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोरीगांव जिले में कुछ घरों को मामूली नुकसान भी पहुंचा है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट पर स्थित मोरीगांव जिले में सुबह चार बजकर 17 मिनट पर 50 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया। एनसीएस रिपोर्ट में कहा गया है कि भूकंप का केंद्र मध्य असम में 26.37 उत्तरी अक्षांश और 92.29 पूर्वी देशांतर पर स्थित है।

यूपी कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी, पीएम मोदी से 1 घंटे तक मुख्यमंत्री योगी की मुलाकात

नयी दिल्ली : उत्तर प्रदेश में योगी कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है. नए साल में पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली आकर पीएम मोदी से मिले. यह मुलाकात करीब एक घंटे चली. इस बीच, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी दिल्ली में अलग-अलग मुलाकातों में व्यस्त रहे.माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद उत्तर प्रदेश में योगी कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है. राज्य में इस साल पंचायत चुनाव होने हैं और अगले साल विधानसभा चुनाव. इससे पहले सरकार और संगठन को दुरुस्त किया जा रहा है. प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी का चुनाव हो चुका है. वे ओबीसी कुर्मी समाज से आते हैं. इस तरह बीजेपी ने सामान्य वर्ग के सीएम और डिप्टी सीएम और ओबीसी वर्ग के दूसरे सीएम और प्रदेश अध्यक्ष के साथ सामाजिक समीकरणों को साधा है. अब बारी है संगठन और सरकार में अन्य समीकरणों को साधने की. माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद उत्तर प्रदेश में योगी कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है. राज्य में इस साल पंचायत चुनाव होने हैं और अगले साल विधानसभा चुनाव. इससे पहले सरकार और संगठन को दुरुस्त किया जा रहा है. प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी का चुनाव हो चुका है. वे ओबीसी कुर्मी समाज से आते हैं. इस तरह बीजेपी ने सामान्य वर्ग के सीएम और डिप्टी सीएम और ओबीसी वर्ग के दूसरे सीएम और प्रदेश अध्यक्ष के साथ सामाजिक समीकरणों को साधा है. अब बारी है संगठन और सरकार में अन्य समीकरणों को साधने की.

सबूतों से दिल्ली दंगों में खालिद और इमाम की संलिप्तता का पता चलता है: उच्चतम न्यायालय

उमर, शरजील को जमानत नहीं

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों से पता चलता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की ''साजिश रचने, लामबंदी करने और रणनीतिक दिशा-निर्देश देने'' में शामिल थे। इसके साथ ही इसने साजिश के मामले में दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने यूएपीए की धारा 43डी (5) का हवाला दिया, जिसके अनुसार यदि किसी मामले की डायरी या आरोपपत्र की पड़ताल करने पर न्यायालय को यह विश्वास करने के लिए उचित आधार मिलते हैं कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही है, तो न्यायालय को जमानत देने से इनकार करना होगा। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर अपेक्षित एवं अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से प्रथम दृष्टया कथित साजिश में उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका का प्रमाण मिलता है। पीठ ने कहा कि सामग्री से ''साजिश, लामबंदी और रणनीतिक दिशा-निर्देश के स्तर पर भागीदारी का संकेत मिलता है, जो छिटपुट या स्थानीय कृत्यों से कहीं आगे तक फैला है''। इसने कहा कि इसके अलावा, यूएपीए की धारा 43डी (5) के तहत यह वैधानिक सीमा इन अपीलकर्ताओं के संबंध में लागू होती है। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान के अनुसार, यदि मामले की डायरी या संहिता की धारा 173 के तहत बनाई गई रिपोर्ट का अवलोकन करने पर न्यायालय की यह राय हो कि यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सत्य है, तो ऐसे आरोपी व्यक्ति को जमानत पर या स्वयं के निजी मुचलके पर रिहा नहीं किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने चुनावी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ की बैठक

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग (ईसी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को उन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ तैयारियों को लेकर एक बैठक की, जहां आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के सीईओ ने चुनाव प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ चुनाव तैयारियों पर चर्चा की। उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और मतदान कर्मियों की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

सिर्फ आदेश गलत की वजह से न्यायिक अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि महज इसलिए कि कोई आदेश गलत है या निर्णय में कोई त्रुटि है, किसी न्यायिक अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही या अभियोजन की कठिन प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती। न्यायालय ने इसके साथ ही मध्यप्रदेश के एक जिला न्यायाधीश की बर्खास्तगी को रद्द कर दिया, जिन्होंने आबकारी अधिनियम के तहत आरोपियों को जमानत देने में अलग-अलग मापदंड अपनाए थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक निडर न्यायाधीश एक स्वतंत्र न्यायपालिका की आधारशिला है, ठीक उसी तरह जैसे एक स्वतंत्र न्यायपालिका स्वयं वह नींव है जिस पर कानून का शासन टिका हुआ है। न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि एक न्यायिक अधिकारी को मामलों का फैसला करने का कठिन कर्तव्य सौंपा जाता है और अनिवार्य रूप से, मामले में एक पक्ष को हार का सामना करना पड़ता है तथा वह असंतुष्ट होकर वापस लौटता है। पीठ ने कहा, ''इनमें से असंतुष्ट तत्व, हिसाब बराबर करने की चाह में, निराधार आरोप लगा सकते हैं। निचली अदालतों पर काम का भारी दबाव होता है और वे कठिन परिस्थितियों में काम करती हैं। एक दिन में बड़ी संख्या में मामले सूचीबद्ध होते हैं और अधिकतर न्यायिक अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं।''

मोहन भागवत ने हिन्दू एकता व सामाजिक समरसता का मंत्र दिया

मथुरा (उप्र) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को हिंदू एकता और समरसता का मंत्र दिया और नागरिक कर्तव्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए 'पंच परिवर्तन' के सूत्र दोहराये। वृन्दावन में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक के अवसर पर प्रारम्भिक बातचीत में संघ प्रमुख ने हिन्दू समाज के बिखराव को रोकने तथा एकजुटता के लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रयास करने का संकल्प याद दिलाया। संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की इस राष्ट्रीय बैठक में भाग लेने के लिए भागवत रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वृन्दावन स्थित केशवधाम पहुंच गए। केशवधाम में उनका एक सप्ताह का प्रवास है। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि भागवत ने संघ की स्थापना के सौ साल पूर्ण होने पर गत वर्ष विजयादशमी के अवसर पर तय किए गए आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन (परिवार संस्कार), पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए 'पंच परिवर्तन' के सूत्र को दोहराया। उन्होंने बताया कि संघ प्रमुख अपने प्रवास के दौरान वृन्दावन में निर्माणाधीन विश्व के सर्वाधिक ऊंचे (700 फुट) 'वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर' के दर्शन करेंगे और दोपहर में यमुना किनारे केशी घाट के निकट परिक्रमा मार्ग में स्थित सुदामा कुटी के संस्थापक संत सुदामा दास के वृन्दावन आगमन के उपलक्ष्य में आयोजित शताब्दी समारोह की शुरुआत करेंगे। सुदामा कुटी आश्रम के व्यवस्थापकों के अनुसार इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी आमंत्रित हैं।

ओडिशा के भद्रक में भीषण आग में 20 झोपड़ियां जलकर खाक, 120 मवेशियों की मौत

भद्रक (ओडिशा) : ओडिशा के भद्रक जिले के एक गांव में भीषण आग लगने से 20 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं और लगभग 120 मवेशियों की जान चली गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार देर रात तिहिड़ी थाना क्षेत्र के छत्रपड़ा गांव में हुई। हालांकि, इस हादसे में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग की चपेट में आकर करीब 100 बकरियों समेत 120 मवेशियों की मौत हो गई और कई परिवार बेघर हो गए। पीड़ितों ने बताया कि पास-पास बनी झोपड़ियों में आग तेजी से फैल गई जिससे लोगों को अपना सामान बचाने के लिए पर्याप्त मौका तक नहीं मिल पाया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि शुरुआती चरण में पानी की भारी किल्लत के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत हुई। दमकल विभाग को तुरंत सूचना दी गई, लेकिन जब तक दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, तब तक अधिकांश झोपड़ियां जलकर राख हो चुकी थीं। तिहिड़ी के तहसीलदार जयद्रथ आचार्य और सांसद अविमन्यु सेठी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रभावित इलाके का दौरा किया।

अमित शाह तिरुचिरापल्ली में भाजपा के पोंगल उत्सव में शामिल हुए

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां मन्नारपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महिला मोर्चा द्वारा आयोजित भव्य पोंगल उत्सव में भाग लिया। चावल, दाल, गुड़ और घी से तैयार मीठा व्यंजन पोंगल 1,008 सजे बर्तनों में पकाया गया था, जिनके चारों ओर गन्ना रखा गया था। मन्नारपुरम पहुंचने पर शाह का स्वागत किया गया और फिर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पोंगल बनाने में हिस्सा लिया। भाजपा कार्यकर्ता मध्य जनवरी में मनाए जाने वाले इस उत्सव को 'नम्मा ऊरु मोदी पोंगल' नाम से आयोजित करते हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदर्भ में जनता से जुड़ाव स्थापित करने का प्रयास है। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रमुख वानती श्रीनिवासन, भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई सहित अन्य नेता उपस्थित थे। इससे पहले, तमिलनाडु की अपनी दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन शाह ने तिरुवनैकवल स्थित प्राचीन श्री जंबुकेश्वर-अकिलन्देश्वरी मंदिर और श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में दर्शन किए।

न्यूज ब्रीफ

रुपये में लगातार चौथे दिन गिरावट, 10 पैसे टूटकर 90.30 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई: रुपये में सोमवार को लगातार चौथे दिन कारोबारी सत्र में गिरावट आई और यह 10 पैसे टूटकर 90.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने अमेरिकी मुद्रा को मजबूत किया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप के बाद उत्पन्न हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने विश्व स्तर पर डॉलर की मांग को बढ़ावा दिया। सुस्त घरेलू शेयर बाजार और विदेशी पूंजी की बाजार से निकासी ने कारोबारियों की धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, 90.21 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 90.50 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक पहुंचा। अंत में डॉलर के मुकाबले 90.30 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट है।

मजबूत वैश्विक रुख से सोना 960 रुपये बढ़ा, चांदी में 2,600 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली: भाषा) बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच मजबूत वैश्विक रुख को देखते हुए सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 960 रुपये बढ़कर 1,40,400 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों में भी सोमवार को तेजी जारी रही और यह 2,600 रुपये बढ़कर 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। शुक्रवार को चांदी 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी। व्यापारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने के कारण सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोना और चांदी दोनों में तेजी आई।

उद्योग जगत की पहल, अगले दशक में 10 करोड़ नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य

नयी दिल्ली: उद्योग जगत के दिग्गजों के एक समूह ने सोमवार को 'हंड्रेड मिलियन जॉब्स' (10 करोड़ नौकरियां) नामक एक राष्ट्रीय पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य आगामी दशक में भारत में 10 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करना है, क्योंकि देश तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद अपर्याप्त रोजगार की समस्या से जूझ रहा है। आयोजकों ने एक बयान में कहा कि इस मुहिम की घोषणा सॉफ्टवेयर उद्योग निकाय नैसकॉम के सह-संस्थापक हरीश मेहता, वैश्विक उद्यमी नेटवर्क 'द इंडस एंटरप्रेन्योर्स' (टीआईई) के संस्थापक ए जे पटेल और सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) के संस्थापक के यतीश राजावत ने की। संस्थापकों ने कहा कि भारत में कार्यशील आयु की जनसंख्या प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ की दर से बढ़ रही है, जबकि विनिर्माण जैसे पारंपरिक रोजगार के साधन विस्तार करने में संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नए कार्यबल को खपाने और अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए देश को हर साल 80 से 90 लाख नौकरियां सृजित करने की आवश्यकता है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के बाद भी भारत में रोजगार की वृद्धि दर उत्पादन विस्तार की तुलना में पीछे रही है। स्वचालन और कृत्रिम मेधा (एआई) व्यापार के तौर-तरीकों को बदल रहे हैं और कई क्षेत्रों में शुरुआती स्तर के पदों को कम कर रहे हैं। ऐसे में यह चिंता बढ़ गई है कि आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन से पूरी तरह कट सकती है। 'हंड्रेड मिलियन जॉब्स' मिशन उद्यमिता, कौशल विकास और श्रम-प्रधान उद्यमों को भारत की रोजगार रणनीति के केंद्र में रखता है। इस पहल का लक्ष्य रोजगार सृजन को आर्थिक वृद्धि का एक मुख्य मानक बनाना है, जिसका ध्यान विभिन्न क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत और सुदृढ़ आजीविका सुनिश्चित करने पर होगा। हरीश मेहता ने एक बयान में कहा, 'हंड्रेड मिलियन जॉब्स रोजगार सृजनकर्ताओं - उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और नियोक्ताओं - को मजबूत करने का एक व्यवस्थित प्रयास है। इसके तहत कौशल, उद्यम, डेटा और नीति में सामंजस्य बिठाकर अगली पीढ़ी के लिए लचीली और गरिमापूर्ण आजीविका सुनिश्चित की जाएगी।'

ट्रंप की नई चेतावनी से शेयर बाजार सतर्क, सेंसेक्स में 322 अंक की गिरावट

मुंबई: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय उत्पादों पर शुल्क और बढ़ाने की ताजा चेतावनी के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजार गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स 322 अंक के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 78 अंक की गिरावट रही। विश्लेषकों ने कहा कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद ट्रंप की भारत पर शुल्क बढ़ाने की ताजा चेतावनी से कारोबारी धारणा प्रभावित हुई और बैंक, आईटी एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे दिग्गज शेयरों में बिकवाली से बाजार पर दबाव रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 322.39 अंक यानी 0.38 प्रतिशत गिरकर 85,439.62 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 446.68 अंक फिसलकर 85,315.33 अंक के निचले स्तर पर आ गया था। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,545 शेयर नुकसान के साथ बंद हुए जबकि 1,723 शेयरों में तेजी रही और 203 अन्य अपरिवर्तित रहे। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 26,373.20 अंक के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने के बाद अपनी बढ़त गंवा बैठा। निफ्टी 78.25 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,250.30 अंक पर बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, निफ्टी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई, जिससे सूचकांक 26,200 के समर्थन स्तर के आसपास आ गया।

भारत कोकिंग कोल के आईपीओ के लिए 21-23 रुपये का मूल्य दायरा तय

कोलकाता : कोल इंडिया की इकाई भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने सोमवार को कहा कि 1,071 करोड़ रुपये के आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये तक का मूल्य दायरा तय किया गया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का कुल मूल्यांकन 10,700 करोड़ रुपये आंका गया है। बीसीसीएल का आईपीओ नौ जनवरी को खुलेगा जो वर्ष 2026 का पहला आईपीओ भी होगा। यह निर्गम 13 जनवरी बंद होगा जबकि एंजेल यानी बड़े निवेशक आठ जनवरी को बोली लगाएंगे। आईपीओ के मसौदा प्रस्ताव के मुताबिक, इस निर्गम में कोल इंडिया की तरफ से 46.57 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी। इसमें नए शेयरों की पेशकश नहीं की गई है। बीसीसीएल के शेयरों को 16 जनवरी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा।

टाटा समूह एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए नए प्रमुखों की तलाश में

मुंबई: टाटा समूह ने एयर इंडिया की अगुवाई करने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी है, क्योंकि वर्तमान प्रमुख कैंपबेल विल्सन का कार्यकाल अगले साल खत्म होने वाला है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच, समूह अपनी अपनी अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए भी एक नए प्रबंध निदेशक की नियुक्ति पर विचार कर रहा है। इस पद पर आलोक सिंह भी 2027 में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, 'दोनों पक्ष (विल्सन और टाटा समूह) 2027 के बाद अनुबंध का नवीनीकरण नहीं चाहते हैं। इसलिए, एयर इंडिया के शीर्ष पद के लिए बाजार में उपयुक्त उम्मीदवारों की तलाश करना स्वाभाविक है।' इस बारे में पीटीआई-भाषा के सवालों पर टाटा समूह की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया के लिए उपयुक्त उम्मीदवार को अंतिम रूप देने में कम से कम तीन से छह महीने का समय लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मौजूदा और अगले प्रमुख कुछ समय साथ काम करेंगे, तो इससे कार्यभार संभालना आसान हो जाएगा।

सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाना सामाजिक, आर्थिक नजरिये से जरूरी: स्मृति ईरानी

जयपुर: पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाना सामाजिक के साथ आर्थिक नजरिये से भी जरूरी है। ईरानी ने यहां आयोजित 'राजस्थान डिजिफेस्ट और टाई ग्लोबल समिट 2026' को संबोधित करते हुए कहा, 'महिलाओं को सफलता के शिखर पर भी जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए।' महिला एवं बाल विकास और कपड़ा मंत्रालय का दायित्व संभाल चुकीं ईरानी ने 'स्पार्क' पहल का उल्लेख भी किया जिसका उद्देश्य 300 शहरों में एक लाख महिला उद्यमियों को ऋण, औपचारिकता और संस्थागत सहयोग तक पहुंच उपलब्ध कराना है। सम्मेलन के दूसरे दिन एक अभियान की शुरुआत भी हुई, जिसका लक्ष्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आर्थिक वृद्धि और रोजगार के प्रमुख चालक के रूप में मजबूत करना है। टाई के मुताबिक, यह पहल अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरियों और 100 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक मूल्य उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती है। इसके लिए सरकारों, उद्योग संगठनों, पूंजी प्रदाताओं और विश्वभर के टाई चैप्टर को जोड़ा जाएगा। मुख्य फोकस क्षेत्रों में नियामकीय सरलीकरण, पूंजी तक पहुंच, कौशल विकास, तकनीक अपनाना और क्लस्टर-आधारित क्षेत्रीय विकास शामिल हैं। एमएसएमई पर केंद्रित एक अन्य सत्र में महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के अधिकारियों ने स्थिर नियमों, आसान जीएसटी अनुपालन, बेहतर ऋण उपलब्धता और प्रौद्योगिकी-आधारित क्लस्टर विकास की भूमिका पर चर्चा की।

भारत-इजराइल व्यापार को रुपये में करने को बढ़ावा देगा एसबीआई

यरुशलम: भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंधों में गहराई लाने और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी चर्चाओं के बीच इजराइल में उपस्थित एकमात्र भारतीय ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहा है। एसबीआई इजराइल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. मणिवन्नन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'भारत के सहयोगी देशों से होने वाले महत्वपूर्ण व्यापार एवं वैश्विक व्यापार समुदाय में भारतीय रुपये को स्वीकार करने की बढ़ती रुचि को देखते हुए, हमारे बैंकिंग नियामक यानी भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों के निर्यात एवं आयात का निपटान भारतीय रुपये में करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के तहत इजराइल को भागीदार देशों में से एक के रूप में चुना गया है।' एसबीआई के अधिकारी ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से निर्यात/आयात करने वाली इजराइली संस्थाएं भारतीय रुपये में भुगतान प्राप्त करेंगी और देंगी जिसे इजराइली विक्रेता/खरीदार से माल या सेवाओं की आपूर्ति/खरीद के 'इनवॉइस' के बदले विशेष रुपी वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) में जमा किया जाएगा।'

रेलवे ने अप्रैल-दिसंबर में सकल बजटीय सहायता का 80 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया

नयी दिल्ली: रेल मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि भारतीय रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में दिसंबर 2025 के अंत तक 2,03,138 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह राशि 2025-26 की 2,52,200 करोड़ रुपये की सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का 80.54 प्रतिशत है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''यह पिछले साल की इसी अवधि (दिसंबर 2024) की तुलना में जीबीएस के उपयोग में 6.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह खर्च मुख्य रूप से सुरक्षा उपायों, क्षमता विस्तार, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं पर हुआ।' अधिकारियों ने कहा कि भारतीय रेलवे खुद को एक भविष्य के लिए तैयार संगठन के रूप में बदलकर पूरे भारत में सस्ती कीमत पर तेज, सुरक्षित और विश्व स्तरीय रेल यात्रा की सुविधा दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में भारतीय रेलवे ने 2025-26 के लिए आवंटित जीबीएस परिव्यय के उपयोग में एक मजबूत रुझान बनाए रखा है। मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा संबंधी कार्यों की श्रेणी में आवंटित धन का 84 प्रतिशत उपयोग किया गया है। क्षमता विस्तार के लिए आवंटित 1,09,238 करोड़ रुपये में 76,048 करोड़ रुपये (69 प्रतिशत) खर्च किए जा चुके हैं। ग्राहक सुविधाओं पर दिसंबर 2025 तक 9,575 करोड़ रुपये (80 प्रतिशत) खर्च किए गए।

'खेलो इंडिया बीच गेम्स' की रंगारंग शुरुआत

दीव: 'खेलो इंडिया बीच गेम्स' (केआईबीजी) के दूसरे सत्र का सोमवार को घोघला बीच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष संदेश के साथ रंगारंग शुभारंभ हुआ। देश भर से 1,100 से अधिक खिलाड़ी आठ अलग-अलग खेलों (वॉलीबॉल, फुटबॉल, सेपक टकरा, कबड्डी, पेंचक सिलाट, ओपन वाटर स्विमिंग, मल्लखंब और रस्साकशी) में प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये खेल 10 जनवरी को समाप्त होंगे। मल्लखंब और रस्साकशी को छोड़कर बाकी सभी पदक वाले मुकाबले होंगे और इनमें 32 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे। इन खेलों को लेकर दीव में उत्सव का माहौल है और खेलो इंडिया बीच गेम्स को शुभंकर 'पर्ल (खुशमिजाज और ऊर्जावान डॉल्फिन)' खिलाड़ियों, सहायक कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और केआईबीजी 2026 से जुड़े सभी हितधारकों का स्वागत कर रहा है। दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा आयोजित 'खेलो इंडिया बीच गेम्स' का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण और राष्ट्रीय खेल संघों के तकनीकी देखरेख में किया जा रहा है। खिलाड़ियों को शुभकामनाएं और केआईबीजी 2026 की मेजबानी के लिए केंद्र शासित प्रदेश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''खेलो इंडिया बीच गेम्स' भारत के खेल जगत में एक विशेष स्थान रखते हैं। समुद्र तट और तटीय खेलों में शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक शक्ति और लगातार बदलती परिस्थितियों में प्रदर्शन करने की क्षमता की आवश्यकता होती है।' उन्होंने कहा, 'उभरते हुए खेलों को प्रमुखता देकर ये खेल भारतीय खेल जगत के क्षितिज का विस्तार करते हैं और प्रतिभाओं की खोज, पहचान और पोषण के लिए नए रास्ते बनाते हैं।' प्रधानमंत्री ने खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर देते कहा, 'भारत आज अपनी खेल संस्कृति में एक बड़ा परिवर्तन देख रहा है। पूरे देश में संस्थागत पहुंच, जमीनी स्तर की भागीदारी और सांस्कृतिक परिवर्तन पर नए सिरे से जोर देने से खेल प्रतिभाओं की पहचान और समर्थन के तरीके में बदलाव आ रहा है।' उन्होंने कहा, 'आधुनिक बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियां और पारदर्शी प्रतियोगिता मंच पृष्ठभूमि या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना युवा खिलाड़ियों के लिए, तेजी से सुलभ हो रहे हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने घोघला बीच को आयोजन स्थल के रूप में चुनने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के आयोजकों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''ब्लू फ्लैग' से सम्मानित घोघला बीच को आयोजन स्थल के रूप में चुनना विशेष रूप से सराहनीय है। प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आयोजित खेल, खेल संबंधी उपलब्धियों और पर्यावरण जागरूकता दोनों के लिए एक सशक्त माध्यम बन जाता है। इस तरह का माहौल हमें याद दिलाता है कि उत्कृष्टता और स्थिरता साथ-साथ आगे बढ़ती हैं।'

सूर्यवंशी की तूफानी पारी से भारत अंडर-19 को जीत, सीरीज में 2-0 की बढ़त

बेनोनी : कप्तान वैभव सूर्यवंशी की 24 गेंदों में 68 रन की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत भारत अंडर-19 ने सोमवार को युवा वनडे श्रृंखला के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ-लुईस पद्धति से आठ विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। खराब मौसम से प्रभावित मैच में भारत को संशोधित लक्ष्य 27 ओवर में 174 रन मिला, जिसे टीम ने 23.3 ओवर में दो विकेट पर 176 रन बनाकर हासिल कर लिया। सूर्यवंशी ने 10 छक्के और एक चौका जड़ा। वेदांत त्रिवेदी (31*) और अभिज्ञान कुंडु (48*) ने अटूट साझेदारी कर जीत दिलाई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 245 रन बनाए। किशन सिंह ने चार विकेट लिए। श्रृंखला का अंतिम मैच बुधवार को खेला जाएगा।

टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर आ सकता है: वीरेंद्र सहवाग

जयपुर: भारत के पूर्व आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने सोमवार को आईपीएल के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बाद विदेशी खिलाड़ियों के नजरिये में बदलाव आया है और छींटाकशी जैसी प्रवृत्तियां कम हुई हैं। सहवाग ने कहा कि टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट हमेशा प्रदर्शन का मजबूत आधार बने रहेंगे लेकिन टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर भी देखने को मिल सकता है। सहवाग ने यहां 'राजस्थान डिजिफेस्ट-टाई ग्लोबल समिट 2026' के दूसरे दिन दर्शकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। 'नो फियर, नो लिमिट्स: लेसन्स फ्रॉम द वर्ल्ड्स मोस्ट एग्रेसिव ओपनर' विषय पर आयोजित इस संवाद सत्र में सहवाग ने कहा, ''साहस और आक्रामक सोच के बिना ना तो खेल में और ना ही जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। भारत में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं हैं, आवश्यकता केवल प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें तराशने और सही मार्गदर्शन देने की है।' उन्होंने कहा, 'किसी भी टीम या संगठन की सफलता का आधार टीम में विश्वास, पारस्परिक सहयोग और सकारात्मक नेतृत्व होता है। आलोचना से घबराने के बजाय अपने प्रदर्शन से उसका जवाब देना चाहिए।' सहवाग ने हालांकि कहा कि क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी निवेशकों का आना जरूरी है।

पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन मनोज कोठारी का निधन

कोलकाता: पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन मनोज कोठारी का सोमवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली स्थित एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने 'पीटीआई' को दी। वह 67 वर्ष के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पुत्र सौरव कोठारी (पूर्व विश्व चैंपियन) और बेटी श्रेया कोठारी हैं। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच कोठारी का तिरुनेलवेली के एक अस्पताल में एक सप्ताह से अधिक समय से इलाज चल रहा था। परिवार के सदस्य ने बताया कि सुबह करीब 7.30 बजे उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उनका अंतिम संस्कार सोमवार शाम को तिरुनेलवेली के पास हुआ। पूर्व विश्व चैंपियन कोठारी तीन दशकों से अधिक समय तक भारतीय बिलियर्ड्स में एक प्रभावशाली व्यक्ति रहे थे। उनके बेटे सौरव ने भी 'क्यू खेलों' (बिलियर्ड्स और स्नूकर)' में भारत के आधुनिक महान खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। कोठारी ने 1990 में आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतकर वैश्विक ख्याति प्राप्त की। इस खिताब ने उन्हें खेल के सफल खिलाड़ियों में शामिल करने के साथ विश्व बिलियर्ड्स मानचित्र पर भारत की बढ़ती साख को दर्शाया था। उन्होंने 1997 में विश्व युगल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतकर एक और बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। यह शीर्ष स्तर पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा और लंबे समय तक टिके रहने की क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने 2011 से भारतीय बिलियर्ड्स टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्य करना शुरू किया।

कोहली रेलवे के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं, पंत और हर्षित खेलेंगे

बेंगलुरु: भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार को यहां रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में नहीं खेलेंगे। मुख्य कोच सरनदीप सिंह ने पीटीआई को यह जानकारी दी। देश की इस शीर्ष घरेलू एकदिवसीय प्रतियोगिता में वापसी करते हुए कोहली ने दो मैच में 131 और 77 रन की पारी खेली थी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जल्द ही राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे। सरनदीप ने हालांकि कहा कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अलूर में मंगलवार को होने वाले इस मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारत के पूर्व स्पिनर सरनदीप ने कहा, 'विराट उपलब्ध नहीं है। पंत और हर्षित कल खेलेंगे।' दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इससे पहले संकेत दिए थे कि कोहली तीन मैच खेल सकते हैं। दिल्ली की टीम अपने पांच में से चार मैच जीतकर ग्रुप डी में शीर्ष पर चल रही है और रेलवे के खिलाफ जीत उसे अगले दौर में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में खेला जाएगा जबकि अगले दो मैच में 14 और 18 जनवरी को क्रमश: राजकोट और इंदौर में होंगे। अब सिर्फ एकदिवसीय प्रारूप में खेलने वाले कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की घरेलू श्रृंखला में दो शतक जड़ने के अलावा नाबाद 65 रन की पारी भी खेली।

वर्ष 10, पूर्णांक 3465 अंक 275, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in